प्रेरणा स्त्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

दिलेरी डर की गैरमौजूदगी नहीं, बल्कि यह फैसला है कि डर से जरूरी कुछ है...

-गुरू तेग बहादुर

वर्ष-04, अंक-29 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 21 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

जीसीटीएम से दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के युग की होगी शुरुआत- पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के जामनगर में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक तेद्रोस अधनोम गेब्रयेसुस की उपस्थिति में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की आधारशिला रखी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जामनगर में अपना ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन प्रथाओं को मिलाकर इसकी क्षमता का इस्तेमाल करना है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक तेद्रोस अधनोम गेब्रयेसुस की उपस्थिति में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम) की आधारशिला रखी। जीसीटीएम दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला और एकमात्र वैश्विक आउटपोस्ट केंद्र होगा। यह वैश्विक कल्याण के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभरेगा। इस मौके पर बांग्लादेश, भूटान, नेपाल के प्रधानमंत्रियों और मालदीव के राष्ट्रपति के वीडियो संदेश चलाए गए

पीएम मोदी ने उद्घाटन के मौके पर कहा, इससे दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के युग की शुरूआत होगी। मोदी ने कहा, ÷यह केंद्र अगले 25 वर्षों में दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के युग की शुरूआत करेगा। इससे पुरानी चिकित्सा पद्धति और आधुनिक विज्ञान को साथ आने का मौका मिलेगा÷ उद्घाटन समारोह में गेब्रयेसुस ने कहा कि केंद्र के पांच मुख्य क्षेत्रों में अनुसंधान और नेतृत्व, साक्ष्य एवं शिक्षा, डेटा एवं विश्लेषण, स्थायित्व एवं समानता और नवाचार एवं प्रौद्योगिकी शामिल होंगे। गेब्रयेसुस ने कहा, ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर कोई संयोग नहीं है। मेरे भारतीय शिक्षकों ने मुझे पारंपरिक दवाओं के बारे में अच्छी तरह से सिखाया और मैं बहुत आभारी हूं।

म.प्र. में बढ़ रहा स्क्रब टाइफस नामक खतरा

भोपाल।

स्क्रब टायफस को लेकर मध्यप्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। फिलहाल ये अलर्ट प्रदेश के 3 जिलों जबलपुर, सतना और खरगोन के लिए जारी किया गया है। जिसके कारण स्वास्थ्य महकमा विशेष एहतियात बरत रहा है। प्रदेश के सतना, जबलपुर और मंदसौर में स्क्रब टायफस का खतरा बरकरार है और ऐसा इसलिए क्योंकि वर्ष 2021-22 में भी स्क्रब टायफस के अधिक मरीज़ इन जिलों से ही सामने आए थे।

स्क्रब टायफस को बढ़ने से रोकने के लिए संचालनालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन 3 जिलों में एम्स भोपाल की सहायता से रिसर्च प्रोजेक्ट चलाने का भी निर्णय लिया गया है। गौरतलब है कि, पिछले साल इस बीमारी के 17 केस सामने आए थे, जबकि 52 मरीज संदिग्ध पाए गए थे। फिलहाल आम लोगों से यही अपील की गई है कि, अगर उन्हें तेज बुखार, सर्दी, खांसी, हाथ-पैर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और शरीर पर लाल निशान संबंधित समस्या होती है तो वो तत्काल अपनी जांच कराएं।

डॉक्टरों के मुताबिक चूहों में पाए जाने वाले पिस्सुओं से यह बीमारी इंसानों तक पहुंचती है। जबलपुर संभाग के रीजनल डायरेक्टर डॉ. संजय मिश्रा ने स्क्रब टायफस को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है और तमाम स्वास्थ्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि इस बीमारी से संबंधित जन जागरूकता फैलाएं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस बीमारी का इलाज संभव है और दवाइयां भी उपलब्ध हैं। बस शर्त यह है कि लक्षण देखते ही मरीज तत्काल डॉक्टर की देखरेख में इलाज शुरू कराएं।

स्क्रब टाइफस के लक्षण

टिक बाइट कीड़ा जब किसी इंसान को काटता है तो उसके 6 से 21 दिन बाद अचानक से कुछ लक्षण विकसित होने लगते हैं। रोगी को तेज बुखार, ठंड लगना और सिर दर्द स्क्रब टाइफस के आम लक्षण है। बुखार के साथ ही जहां पर कीड़े ने काटा है वहां की स्किन काली पड़ने लगती है और उस जगह घाव बनने लगते हैं। शुरुआत में यह घाव लाल रंग का होता है और इसकी गोलाई एक सेंटीमीटर के आकार की होती है। संक्रमित व्यक्ति के गर्दन के आसपास चकत्ते बनना भी इसी रोग की पहचान है।

घोड़ी चढ़ने से पहले ही हवालात पहुंचा दूल्हा

इंदौर।

घोड़ी चढ़ने से पहले एक दूल्हा जेल पहुंच गया। उस पर एक युवती ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। जिसके बाद पुलिस ने दूल्हे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। उसके पूरे अरमानों पर पानी फिर गया। अपने ससुरात पहुंचने के बजाई युवक सरकारी ससुराल पहुंच गया।

ये है मामला -बताया जा रहा है, दूल्हा अनुराग और एक युवती दोनों निजी बैंक में काम करते हैं। दोनों के बीच अफेयर चल रहा था शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध भी बनाए, लेकिन युवक किसी और से शादी करने वाला था। अचानक बैंक से दो दिन की छुट्टी लेकर अपने घर सारंगपुर पहुंचा गया, जहां शादी की सभी रश्मे निभाई जा रही थी। इसी बीच अनुराग के शादी की खबर युवती को लग गई। शादी से एक दिन पहले ही युवती रात 2 बजे विजय नगर थाने पहुंच गई और अनुराग (दूल्हे) के खिलाफशादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया। पुलिस एफआईआर दर्ज कर रात में ही दूल्हे के घर पहुंच गई। हाथों में मेंहदी लगाए अनुराग बैठा हुआ था और सुबह घोड़ी चढ़ने की तैयारियों में लगा हुआ था। लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने अनुराग को सारंगपुर से गिरफ्तार कर लिया।

80 लोगों ने 8 महीने तक नाबालिग से किया गैंगरेप, 10 गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में इंसानियत को शर्मसार कर देनी वाली घटना सामने आई है। एक 13 वर्षीय लड़की, जिसने हाल ही में कोरोना लहर में अपनी मां को खो दिया था, उसका का आठ महीने तक लगातार गैंगरेप हुआ। इन महीनों में 80 से अधिक लोगों ने उसका यौन शोषण किया। पुलिस मंगलवार के उसे गुंटूर से रेस्क्यू करने में सफल रही। मां की मौत के बाद लड़की को अस्पताल से अपने घर ले जाने वाली महिला को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जिसने उसे इस दलदल में धकेला। पुलिस जांच से पता चला है कि, आठ महीने में 80 से अधिक पुरुषों द्वारा उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। पुलिस अनुसार, मंगलवार को बी.टेक के एक छात्र सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अपराध में शामिल 80 लोगों को भी गिरफ्तार करने की तैयारी में है। उनकी तलाश की जा रही है। पीड़िता को एक महिला सवर्ण कुमारी ने गोद लिया था, जिसने जून 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान एक अस्पताल में पीड़िता की मां से दोस्ती की थी। लड़की की मां की जल्द ही कोविड-19 के कारण मृत्यु हो गई थी। इसके बाद लड़की को लेकर वह अपने घर चली गई। हालांकि, लड़की के पिता से यह बात छिपा ली गई।

पिता ने की शिकायत-अगस्त 2021 में लड़की के पिता ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला सवर्ण कुमारी की पहचान की। इस मामले में पहली गिरफ्तारी जनवरी में हुई थी। मंगलवार 19 अप्रैल को गुंटूर पश्चिम क्षेत्र पुलिस ने बी.टेक के एक छात्र सहित 10 और गिरफ्तारियां कीं। आरोपी और पीड़िता से पूछताछ करने पर पुलिस को पीड़िता की स्थिति की दर्दनाक और चौंकाने वाली वास्तविकता का पता चला।

चौंकाने वाला हुआ खुलासा-पिछले आठ महीने से 13 वर्ष की बच्ची को देह व्यापार के धंधे में इस्तेमाल करने के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अलग-अलग वेश्यालय में भेज दिया गया था। इसके आधार पर पुलिस ने नाबालिग को जबरन देह व्यापार में धकेलने वाले मुख्य आरोपी के तौर पर लड़की को ले जाने वाली महिला की पहचान की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के सुप्रजा ने कहा कि पुलिस ने 80 आरोपियों की पहचान कर ली है और उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर दिया है। इनमें से कुछ किंगपिन हैं, 35 दलाल हैं और बाकी ग्राहक हैं।

लंदन में छुपा एक आरोपी-पुलिस फरार कुछ और आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस अनुसार, इस मामले का एक आरोपी लंदन में है। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के पास से एक कार, 53 मोबाइल, तीन ऑटो और बाइक बरामद की है। आरोपियों को विजयवाड़ा, हैदराबाद, काकीनाडा और नेल्लोर से गिरफ्तार किया गया था।

पंजाब की आप सरकार पर बरसा किसान संगठन

चंडीगढ़। किसानों के राजनीतिक संगठन संयुक्त समाज मोर्चा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की। संयुक्त समाज मोर्चा ने कहा कि, सरकार ने चुनाव से पहले जो ऐलान किए थे उन पर अमल नहीं कर रही है। संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की बात कही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यही हाल फ्री बिजली को लेकर सामने आया है। मोर्चा ने मांग की है कि इस साल गेहूं की उपज को हुए नुकसान का मुआवजा सरकार को तुरंत घोषित करना चाहिए। बुधवार को संयुक्त समाज मोर्चा की ओर से सतबीर सिंह वालिया और प्रोफेसर मनित सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, भगवंत मान सरकार ने घोषणा की थी कि 35 हजार संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा, लेकिन बाद में उन्होंने उनकी सेवा की अनुबंध की शर्तों को एक वर्ष और बढ़ा दिया। मोर्चा ने मांग की है कि, सरकार इस साल गेहूं की उपज को हुए नुकसान का मुआवजा तुरंत घोषित करे। संयुक्त समाज मोर्चा ने कहा कि, प्रदेश सरकार ने 600 यूनिट मुफ्त बिजली (दो महीने के बिलिंग चक्र में) का ऐलान किया था लेकिन अभी भी सरकार इस योजना को क्रियांवित नहीं कर पाई है। उन्होंने पार्टी के राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता द्वारा सतलुज-यमुना लिंक नहर (एसवाईएल) मुद्दे पर शुरू हुए विवाद का जवाब देने के लिए पंजाब आम आदमी पार्टी से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि, वे ÷पहरेदार÷ के रूप में प्रदेश में लगातार कार्य करते रहेंगे और पंजाब के हितों को बचाने के लिए लड़ते रहेंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध का सहारा लेकर की ऑनलाइन ठगी

दुर्ग। दुनिया में आपदा को अवसर में बदलने वालों की कमी नहीं है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे भीषण युद्ध का फायदा अब ठगों ने उठाना शुरू कर दिया है। लोगों को ऑनलाइन पैसा देकर लालच देने का खेल शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ में इस प्रकार का पहला मामला दुर्ग जिले के सुपेला थाने में दर्ज हुआ है। सुपेला निवासी रवि कुमार साव ने शिकायत की है कि उसके साथ 13 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी हुई है। रवि कुमार साव के अनुसार, 2 फरवरी को उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया, मैसेज आने के बाद पीड़ित ने जब उस नम्बर पर कॉल किया तब फोन उठाने वाले व्यक्ति ने अपना नाम शिवांश कुमार बताया। उसने पीड़ित को झांसे में लेकर कहा कि, डेल्टा ट्रेडिंग नाम की कंपनी यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को लेकर काम कर रही है वहां के लोग पूरी तरह से तबाह हो गए हैं, लेकिन वहां की कंपनी में पैसा जमा कराने पर उसे लाखों का फायदा हो सकता है और कंपनी के ऐप से जुड़कर वो प्रतिमाह 50 हज़ार से एक लाख रुपये कमा सकता है। इसके लिए उसे डेल्टा ट्रेडिंग एप्लीकेशन को डाउनलोड करना होगा।

एप पर हुई ठगी-ठग की बात सुनकर पीड़ित ने लालच में आकर 3 फरवरी को 50 हज़ार रुपये डेल्टा ट्रेडिंग कंपनी के कन्वर्टेड अकाउंट में डाल दिए। उससे ट्रेडिंग का काम चालू हो गया। फिर 5 फरवरी 2022 को उसे 3 हजार 700 रुपए का लाभ होने का विड्रॉल किया गया। उसके बाद फिर पीड़ित को कॉल आया और कॉल करने वाले ने अपना नाम महावीर पटेल बताया। महावीर ने पीड़ित को डेल्टा ट्रेडिंग एप की ओर से कंपनी में पैसे इन्वेस्ट करने पर उसे 5 से 7 प्रतिशत का लाभ प्रत्येक दिन मिलने का झांसा दिया। पीड़ित ने उस पर भरोसा करके 8 फरवरी को 5 लाख 60 हज़ार रुपए डेल्टा ट्रेडिंग कंपनी के कन्वर्टेड अकाउंट में डाल दिए। पुलिस अनुसार, महावीर पटेल द्वारा दोबारा पीड़ित को कॉल कर झांसा दिया कि पैसों को वापस पाने के लिए पीड़ित को 4 लाख 70 हज़ार रुपए डेल्टा ट्रेडिंग कंपनी के कन्वर्टेड अकाउंट में ट्रांसफर करने पड़ेंगे और नहीं करने पर पीड़ित के 5 लाख 60 हज़ार रुपये डूब जाएंगे। डर की वजह से पीड़ित ने मकान के नाम पर लोन लेकर डेल्टा ट्रेडिंग कंपनी में 4 लाख 70 हज़ार रुपए आरटीजीएस के माध्यम से 11 फरवरी को ट्रांसफर किए। 10 दिन बाद महावीर पटेल ने कॉल कर पीड़ित को बताया कि, यूक्रेन और रूस की लड़ाई के कारण उसके रुपए डूब गए। उसके बाद 26 फरवरी को गौतम वाधवानी नामक व्यक्ति ने कॉल कर पीड़ित को बताया कि, उसका खाता माइनस में चला गया है।

कोविड-19 से मरने वालों को सहायता राशि भुगतान के नाम पर वसूली जा रही राशि

भोपाल कलेक्टर ऑफिस से काल लगाना बताकर मांग रहे डिटेल और पंद्रह सौ रुपये

माही की गूंज, पेटलावद

सरकार द्वारा कोविड-19 से हुई मौत के बाद उनके परिजनों को सहायता राशि के रुप मे 50 हजार रुपये देने की घोषणा के बाद कई परिवारों ने स्थानीय प्रशासन को आवेंदन कर सहायता राशि के भुगतान की मांग थी। कई प्रकरणों में राशि स्वीकृत होकर उसका भुगतान हो गया तो कई प्रकरण स्वीकृत होने के बाद भी भुगतान के लिए अटके पड़े तो कई प्रकरण अभी भी प्रशासन की अलमारी में धूल खा रहे है। आवेंदन के बाद राशि के इंतजार में कई आवेदकों के पास अंजान व्यक्ति का फोन आ रहा है, जो अपने आप को भोपाल कलेक्टर ऑफिस से बोलना बता कर कोविड-19 सहायता राशि भुगतान के लिए 15 सौं रुपये भुगतान करने बोल रहा है। जिसके बाद ग्राम करवड़ के एक आवेदक ने पंद्रह सौ का भुगतान बताये गए नम्बर जो कि, अमर सिंह के नाम पर बताया उस पर कर भी दिया। लेकिन खाते में सहायता राशि नही आई। एक अन्य आवेदक करवड़ निवासी चिराग भंडारी को भी राशि के भुगतान के लिए आवेंदन में संलग्न दस्तावेज व्हाट्सब नम्बर 7771017646 पर भेजने की मांग व पंद्रह सौ रुपयों की मांग की गई लेकिन धोखाधड़ी की आशंका के चलते राशि नही डाली । मामले में अनुविभागीय अधिकारी शिशिर गेमावत से जानकारी ली गई तो उनका कहना है कि, ऐसी कोई जानकारी नही है और किसके द्वारा राशि मांगी जा रही है इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी ।

स्वीकृत प्रकरणों का नही हो रहा भुगतान, कई नए भी प्रकरण अटके

इस राकेश शर्मा नाम के व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है फोन

फोन के झांसे में आकर एक आवेंदनकर्ता ने 15 सौ का भुगतान बताये नम्बर पर किया।

ग्राम पंचायतों के सचिव व रोजगार सहायक को बना रहे है माध्यम

नए-नए तरीकों से ठगी करने के मामले रोज उजागर हो रहे है। ऑनलाइन डाटा के माध्यम से ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सहायक के नम्बर लेकर उनको फोन कर कोविड-19 में मरने वालों की सहायता के लिए आवेंदन करने वालो की सूची ले कर उनसे सहायता राशि के भुगतान के लिए 15 सौ की वसूली करने का बोल रहे है और जो इनके लिए काम नही कर रहे उनसे आवेंदनकर्ता के नंबर लेकर सीधे संपर्क कर रहे है। ग्राम पंचायत करवड़ के रोजगार सहायक ने बताया कि, भोपाल कलेक्टर कार्यालय से राकेश शर्मा बात करना बता कर कोविड राशि के लिए आवेंदन करने वालो से राशि लेने का कहा गया, जब मेरे द्वारा मना किया तो आवेंदनकर्ताओ के संपर्क नम्बर लेकर उनसे सीधे बात की किसने भुगतान किया, नही किया इसकी जानकारी नही है।

स्वीकृत हुए प्रकरणों का भुगतान नही हुआ, कई प्रकरण अब तक स्वीकृत नही

गत माह कुछ प्रकरणों के बाद सहायता राशि हेतु स्वीकृत किये गए थे, जिनके सहायता राशि स्वीकृत होने के पत्र कलेक्टर कार्यालय से आ चुके है। लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी भुगतान नही हो सका है। बामनिया के कोविड-19 से मृतक रमेश भटेवरा सहित नगर के एक अन्य प्रकरण में सहायता राशि का भुगतान खाते में जमा नही हुआ है। कलेक्टर कार्यालय में ऐसे भी कई आवेंदन है जिसमे कोविड से हुई मौत के संबंध में चाहे गए दस्तावेज और कोरोना पॉजिटिव की रिपोर्ट देने के बाद भी प्रकरण स्वीकृत नही हुए, उसमे करवड़ ,बामनिया सहित कई ग्रामो के आवेंदन है।

जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा का कहना है, भुगतान क्यो नही हुआ है इसकी जानकारी नही है जिनको भुगतान नही हुआ है उनके नाम भिजवा दिजिये में जांच करवा लेता हूं।

एसडीएम ने की अपील, अधिकृत व्यक्ति को जानकारी दिए बिना किसी को न दे पैसे व दस्तावेज

मामला अनुविभागीय अधिकारी शिशिर गेमावत की जानकारी में लाने पर उन्होंने गूंज के माध्यम से ही अपील करते हुए कहा है कि, कोविड सहायता राशि के लिए किसी भी फोन कॉल के आधार पर राशि का भुगतान और निजी दस्तावेज किसी अधिकृत शासकीय कर्मचारी या अधिकारी की जानकारी के बिना साझा नही करे। जिस प्रकार की जानकारी हुई है उससे फिलहाल यही लग रहा है कि, व्यक्ति ठगी के लिए फोन कर रहा है, नाम, नम्बर आदि से इनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

दिव्यांगों के लिए जारी सरकारी आदेश बना झुनझुना

समय से जारी नहीं हुए आदेश, गुमराह करने वाला आदेश जारी कर दिव्यांग कोटे को किया भर्ती से वंचित

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी सरकारी भर्ती में अलग-अलग आरक्षण की प्रक्रिया के माध्यम से सभी वर्गों को अवसर दिया जाता है। सभी वर्गों के कोटे के बीच दिव्यांगों के लिए भी अलग से कोटा होता है, जहा आरक्षण नही होता वहां दिव्यांग होने पर कुछ लाभ अतिरिक्त अंक के साथ दिया जाता है। लेकिन सरकारी मशीनरी की लापरवाही के कारण दिव्यांगजन मुख्य धारा में पिछड़ते जा रहे है और जब तक सरकार की नींद खुलती है और दिव्यांगों के हक व अधिकार दिलाने के आदेश जारी होते है उनको ऐसे घुमा फिरा कर जारी किया जाता है कि, उसका कोई लाभ दिव्यांगों को नही मिल पाता जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते है ।

मोबोलाइजर पद की भर्ती में दिव्यांगो के लिए नही थे अतिरिक्त अंक

पैसा एक्ट के तहत प्रदेश के लगभग 21 जिलो की ग्राम पंचायतों में मोबोलाइजर पद की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के आदेश जारी किए गए। जिसमे हाइसेकेंड्री, कम्प्यूटर डिप्लोमा, अनुभव के अंकों की व्यवस्था के साथ महिला को अतिरिक्त अंक दिए जाने का प्रावधान किया गया था। भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही स्वच्छताग्राही को प्राथमिकता के साथ-साथ दिव्यांगो के लिए अलग से अंको की मांग उठी थी। सरकार द्वारा स्वच्छताग्रहियो को प्राथमिकता के मांग स्वीकृत करते हुए उनके अनुभव प्रमाण पत्र के आधारपर अंक दिए जाने के आदेश जारी हुए थे। लेकिन सरकार दिव्यांगो को लेकर कोई आदेश जारी नही कर सकी और प्रदेश के झाबुआ-अलीराजपुर सहित लगभग सभी जिलों में भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुँच कर मेरिट लिस्ट जारी होने तक पहुच चुकी थी। जिसके के बाद 24 फरवरी 2021 को पंचायत राज संचनालय द्वारा दिव्यांगों के लिए 10 अंक अतिरिक्त जोड़ने के आदेश जारी किये गए।

समय बीत जाने के बाद जारी आदेश जिसका लाभ दिव्यांगजनों को नही मिल सका

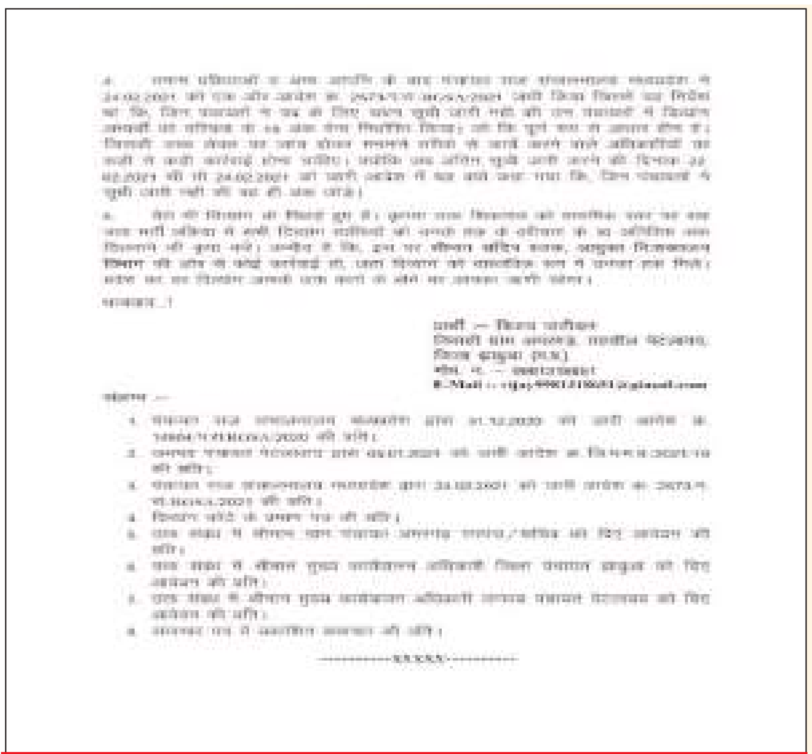

दिव्यांग विजय पाटीदार द्वारा आयुक्त निशक्तजन भोपाल को पत्र मेल से भेज कर शासकीय भर्ती में अनियमितता की शिकायत

घुमा फिरा कर देर से आये आदेश, नही मिला किसी दिव्यांग को लाभ

दिव्यांगों को दस अंक अतिरिक्त दिए जाने के आदेश के बाद मोबोलाइजर भर्ती के लिए आवेंदन कर चुके दिव्यांगों को नोकरी मिलने की आस जगी थी। आदेश जारी होने के तुरंत बाद मामला न्यायलय में जाने से भर्ती प्रक्रिया कुछ समय के लिए रुक गई और न्यायालय के निराकरण के बाद जब भर्ती पुनः शुरू हुई, तो दिव्यांगों का नोकरी पाने का सपना टूटता नजर आ रहा है। ग्राम पंचायत अमरगढ़ के दिव्यांग विजय पाटीदार ने पद के लिए आवेंदन किया था लेकिन मेरिट सूची में दूसरे नम्बर पर रहा। दिव्यांगों के लिए जारी अतिरिक्त अंक के आदेश के बाद उम्मीद थी कि, विजय मैरिड में प्रथम स्थान पर आकर मोबोलाइजर का पद प्राप्त कर लेगा, लेकिन घुमा फिरा कर जारी हुआ आदेश का हवाला देकर अधिकारियो ने दिव्यांग कोटे के दस अंक जोड़ने से मना कर दिया।

वरीयता सूची जारी नही हुई वहां दिए दिव्यांग के अतिरिक्त अंक

पंचायत राज संचनालय द्वारा जारी आदेश में दर्शया गया कि, आदेश जारी होने से पूर्व जिन पंचायतो में वरीयता सूची जारी नही की, उन पंचायतो में होने वाली भर्ती में दिव्यांगों को दस अंक अतिरिक्त जोड़कर वरीयता सूची जारी की जाये। लेकिन सरकारी आदेश आने में इतनी देरी हुई कि, जिले सहित प्रदेश के लगभग जिलों में मोबोलाइजर भर्ती के लिए वरीयता सूची जारी हो चुकी थी। दिव्यांग विजय पाटीदार को भी इस सरकारी आदेश का खामियाजा भुगत पद के लिए पात्र हो कर भी वंचित हो रहा है। विजय पाटीदार ने बताया कि, उक्त मामले की शिकायत प्रधानमंत्री हेल्पलाइन में की है, जो सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से स्थानीय अधिकारियों तक आई है, लेकिन मेरी शिकायत का कोई निराकरण नही हुआ। आदेश में दिए तर्क का हवाला देकर दस अतिरिक्त अंक नही जोड़े जा रहे है। पाटीदार का कहना है कि, सरकार ने दिव्यांगों के लिए अगर व्यवस्था की है, तो उनको इसका लाभ मिलना चाहिये जिसके लिए वो न्यायालय की शरण तक मे जाने के लिए तैयार है। पेटलावद जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित व्यास का कहना है कि, सरकार और प्रशासन का पूरा प्रयास है कि, कोई पात्र वंचित न हो, हम सम्बंधित मंत्रालय भोपाल से पत्राचार कर उचित मार्गदर्शन लेकर आगे की कार्रवाई करेगे।

सैकड़ो दिव्यांग हुए होंगे वंचित, दिव्यंगों को सरकार से उचित निर्णय की उम्मीद

मोबोलाइजर भर्ती में अंततः दिव्यांगों के लिए सरकार ने निर्णय तो लिया पर देरी से जारी हुए आदेश के कारण सैकड़ो दिव्यांगों को इस पद के लिए पात्र होकर भी वंचित होना पड़ा। झाबुआ जिले के पेटलावद विकास खण्ड के विजय पाटीदार तो केवल उदाहरण है प्रदेश के झाबुआ जिले सहित 21 जिलों की हजारों पंचायतो के लिए निकली मोबोलाइजर की भर्ती की अंतिम प्रक्रिया वरीयता सूची के प्रकाशन का कार्य निपट चुका था। ऐसे में जारी आदेश का कोई औचित्य नही रह जाता, सरकार ने पूरी तरह से अपनी किरकिरी से बचने और अपने आप को दिव्यांग हितेषी बताने के लिए दिखावे मात्र के लिए आदेश जारी कर खानापूर्ति की है। जबकी पद भर्ती के साथ ही दिव्यांगों के लिए अतिरिक्त अंक की व्यवस्था होनी थी। सरकार की और से की गई देरी खामियाजा पात्र दिव्यंगों की भुगतना पड़ रहा है। सरकारी आदेश में सुधार की आवश्यकता है ताकि वंचित और योग्य दिव्यांगों को उनका सही अधिकार मिल सके। उम्मीद है सरकार इस पहलू पर गौर करेगी और उचित निर्णय दिव्यंगों के हितों के लिए लेगी।

पूरे नगर की गंदगी पद्मावती नदी में, कब होगा नदी का गहरीकरण

माही की गूंज, थांदला

प्रदेश सरकार नदियों व तालाबों के रखरखाव हेतु प्रतिवर्ष जल संरक्षण के माध्यम से जल रोको अभियान चलाता है व बड़ी राशि उक्त योजना पर खर्च होती है किंतु उनके दावों की पोल धरातल पर खुल जाती है। भीषण गर्मी में अधिकांश जलाशयों व नदियों का पानी सूख जाता है। शासन के जिम्मेदारों को चाहिए कि, धरातल पर जल संरक्षण के नाम पर नदियों व तालाबों का गहरीकरण कर जल संरक्षण योजना को सार्थक कर वर्ष भर का जल भंडारण कर सकते। नगर में किसी समय कल-कल बहने वाली पद्मावती नदी आज भी गहरीकरण की बाट जो रही है, नगर के दोनों छोर पर बहने वाली पद्मावती नदी व नौगांव नदी आज या तो मैदानों या गंदे नालों में सिमट कर रह गई है। उक्त नदियों मे घरों से बहने वाला पानी गटरों के माध्यम से नदियों में मिल रहा है जिससे नदियां प्रदूषित होकर गंदे नाले में सिमट कर रह गई है परिषद के जिम्मेदार भी इस मामले में चुप्पी साधे बैठे है।

गहरीकरण में नहीं है रुचि

नगर की पवित्र पद्मावती नदी के समीप अतिक्रमण की बाढ़ आई हुई है नदी के समीप लोगों ने पक्की दुकानें तानकर आवासीय कक्ष बना रखे है। वह नदियों में प्रदूषण बढ़ रहा है अधिकांश घरों से निकलने वाला मलवा भी नदियों में ही डाला जा रहा है। नगर के गौरव कहे जाने वाले संस्कृत के प्रकांड पंडित स्वर्गीय हीरालाल शास्त्री ने उम्र दराज के बाद भी पेंपलेट जारी कर शासन व नई पीढ़ी से नदियों के गहरीकरण की अपील की थी, किंतु जिम्मेदारों ने इस और ध्यान नहीं दिया जिसके चलते नदिया आज गंदे नाले में सिमट कर रह गई है। कुछ वर्ष पूर्व जन सहयोग से बौहरा समाज नें नदी गहरीकरण का बीड़ा उठाया था किंतु यह योजना राजनीति की भेंट चढ़ गई।

बड़े कुए बनाकर रोके गंदा पानी

नदियों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए गटर के पानी को पक्के कुएं बनाकर रीसाइक्लिंग कर खेती में प्रयोग किया जा सकता है। किंतु वर्तमान परिषद के घोषणा पत्र में नदियों के गहरीकरण का मुद्दा भी था, किंतु उदासीन परिषद का कार्यकाल समाप्त होने में महज 4 माह का समय शेष है किंतु अभी तक इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं हुआ है। यदि समय रहते उदासीन जनप्रतिनिधियों के रवैया के कारण आमजनों को गहरीकरण के लिए आगे आना होगा। वरना आने वाली नई पीढ़ी हमें कोसेंगी व महज नदिया कागजों व फेटो में सिमट कर रह जाएगी।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संदर्भ में नगर परिषद सीएमओ भारत सिंह टांक का कहना है कि, परिषद की बैठक में नदियों को प्रदुषित होने से बचाने के लिए महत्त्व काक्षी योजना का प्रपोजल बनाकर राज्य शासन को भेजा जा रहा है जो विचाराधीन है

लगातार लापरवाही की भेंट चढ़ा राष्ट्रीय पक्षी मोर

संरक्षण को लेकर सारे दावे हो रहे खोखले साबित, पहले भी हो चुकी है हॉइ टेंशन लाइन हटाने की मांग

माही की गूंज, जामली

क्षेत्र में आए दिन राष्ट्रीय पक्षी मोर लापरवाही की भेंट चढ रहे है, किंतु उनके संरक्षण के लिए किए जाने वाले सारे दावे खोखले साबित हो रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण ग्राम जामली में देखने को मिला जहां एक मोर फिर हाईटेंशन बिजली तारों की चपेट में आकर मौत के गाल में समा गया। अगर जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाए तो राष्ट्रीय पक्षी मोर को बचाया जा सकता है, किंतु उनके संरक्षण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं जिससे दिनों दिन राष्ट्रीय पक्षी मोर की संख्या घटते जा रही है।

यह है मामला -

ग्राम जामली में सोमवार शाम करीब 6 बजे पाटीदार धर्मशाला के समीप एक मोर की हाईटेंशन बिजली तारों में आकर दर्दनाक मौत हो गई। इसी स्थान पर पहले भी कई मोरो की मौत करंट लगने से हो चुकी है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय पक्षी की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे है। सैकडो की संख्या मे मोर क्षेत्र के आसपास विचरण करते है या यूं कहें कि वह दाना-पानी के लिए भटकते है। जिस पर वर्षो से मयुर संरक्षण को लेकर मांग उठ रही है। मोरा के लगातार संरक्षण के अभाव मे जान गंवाने का यह पहला मामला नही है। इस तरह से लगातार मोरो की संख्या मे कमी आती जा रही है। इसके पहले कई बार जानवरो का शिकार होकर भी मोरो ने जान गंवाई है।

पूर्व में भी हो चुकी हाईटेशन लाईन हटाने की मांग

वहीं ग्राम जामली के पशु प्रेमी और समाजसेवक भी चिंता मे है। मोर की मौत के प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि, मोर दाना-पानी के लिए भटकते है। एक मोर का पैर ग्राम मे से गुजर रही हाईटेंशन लाईन के तार मे फस गया व करंट लगते ही मोर निचे गिरा और दम तोड दिया। उक्त हाईटेंशन लाईन ग्राम के बीचो बीच है। समीप ही पीपल के पेड पर रोजाना कई की संख्या मे मोरो का झुंड शाम के समय इकट्ठा होता है। नजदीक ही हाईटेंशन लाईन के चपेट मे आ जाते है। ग्रामीणो की मांग है कि, उक्त लाईट को गांवो के बाहर से निकाला जाए, जिससे अचानक मोर इसकी चपेट मे ना आए। वही यह उच्च बिजली प्रवाह वाली लाईट आमजन के लिए भी खतरनाक है। वहीं ग्रामीणो ने बताया कि, इसके पहले भी उक्त पोल के तार मे उलझकर मोर करंट की चपेट मे मोर की मौत हुई है। आये दिन मोरो की मौत होती रहती है। लगातार हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत ही रही है। पूर्व में भी लाइन को लेकर मोर प्रेमी उसे शिफ्ट की मांग कर चुके है लेकिन इस दिशा में कोई पहल जिम्मदारो द्वारा नही की गई।

40 डिग्री पारा भी नहीं रोक पा रहा भक्तों के जन सैलाब, बड़ी सख्या में कथा श्रवण करने पहुंच रहे श्रद्धालु

राम-राम करने से परहेज मत करना-पं. कमलकिशोर नागर

माही की गूंज जामली, जितेंद्र राठौर

जामली से 10 कि.मी दुर ग्राम बेकल्दा मे भागवत श्रवण करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड रही है। 17 अप्रैल से शुरु भागवत कथा का वाचन पं कमलकिशोर नागर के मुखारबिंद से किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिन विद्वान वक्ता पं कमलकिशोर जी नागर ने कहा कि, मां का दुध, गुरु के वचन और भगवान के भजन ये बराबर है, ये तीनो बार-बार नही मिलते। जब भी भजन करो, सुमिरन करो समझ लेना मां का दुध पी रहे हो। जब भजन करने का मौका मिले, तब जरुर करना चाहिए। राम नाम बोलो रे मन हरे राम बोलो रे भजन के साथ माहौल भक्तिमय हो गया। भगवान की कृपा से जीवन-मरण के साथ अगला जन्म भी सुधर जाएगा। जीवन मे भगवान के भजन कब करोगे ,संसार से कभी तृप्ति नही मिलती, विषयो को भोगने से कभी इच्छा पुरी नही होती भक्ति भजन करने से मिलती है। मानव भोगने का नही वो भजन करने का काम करे। कथा मे पं नागर ने बताया कि, भारत की परंपरा राम बिना जागते नही, राम बिना सोते नही ऐसी रही है। राम नाम से परहेज मत करना, राम बोलने से परहेज मत करो। बोलते तो पशु-पक्षी भी है पर जब भजन करते हो, भजते हो तब मानव होते हो। मां तुलसी, उध्दव और नरसिंह मेहता ये बोलते नही परंतु भजन करते थे। भागवत श्रवण से आपका वंश सुधर जाएगा। अपने वंश के उध्दार के लिए भागवत मे बैठना चाहिए। जब संसार के कीचड से निकलना है और ये पांडाल पत्थर है, चढकर निकल जाओ। ÷स्वर्ग पर चढ गई मीरा रे÷ भजन पर भक्त कथा पांडाल मे भावविभोर हो नाचने लगे। भगवान को जब भी जपोगे, कैसे भी जपोगे, वो राम का नाम तुम्हारे काम आएगा। इस दौरान गोकर्ण जी की कथा भी सुनाई। भगवान का सिर्फ नाम ही संभाल लो, तो जीवन सुधर जाएगा। भागवत कथा मे ग्राम बेकल्दा के आस-पास गांवो के भक्त भी पहुंच रहे है। वही कई भक्त सेवा कार्य भी कर रहे है।

भागवत कथा के दुसरे दिन बरसा भक्ति रस, पांडाल मे झुमे श्रोता

धन, बल और सुंदरता का अभिमान मत करना। मरने के बाद सुंदर शरीर को कोई छुएगा नही। यदि बल हो तो हनुमान जी जैसा, सिर्फअपने बल को दुखी का साथ देने मे लगाओ। किसी की गरीबी मे मत देना परंतु मजबुरी मे साथ जरुर देना। यह प्रवचन ग्राम बेकल्दा मे आयोजित भागवत कथा मे मालव माटी के संत कमलकिशोर जी नागर के श्रीमुख से श्रध्दालुओ ने प्राप्त किए। बेकल्दा भागवत कथा के द्वितीय दिन बडी संख्या मे महिला और पुरुष श्रध्दालु कथाश्रवण हेतु पहुंचे। दुसरे दिन की कथा मे विद्वान पंडित कमलकिशोर जी नागर ने प्रवचन मे कहा कि, धन, बल, यश का सही उपयोग नही करते। धन को सही जगह धर्म मे लगाओ, बल को किसी की इज्जत बचाने मे लगाओ। यदि ज्यादा धन नही पच रहा है तो सत्संग सुनो, सुनते ही सत्कर्म करोगे और धन पचने लग जाएगा। धन के आगे केवल एक अक्षर नि लगेगा, मतलब जो धन वाला था उसका निधन हो गया।

'दर्शन दो घनश्याम नाथ, मोरी अंखिया प्यासी रे.....भागवत कथा के तिसरे दिन पांडाल मे झुमे भक्तगण।

कथा के तिसरे दिन भी पांडाल श्रध्दालु से भर गया। ग्राम बेकल्दा मे आस्था और भक्ति के रंग मे हर भक्त रंग गया। सर्वप्रथम हनुमान चालीसा के साथ ÷ऊँ नमः भगवते वासुदेवाय÷ के मंत्र जाप से भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। पांडाल मे दर्शन दो घनश्याम नाथ, मोरी अखियां प्यासी रे......भजन से भक्त भावविभोर हो गए। प्रवचन मे गुरुदेव ने कहा कि, आप केवल भगवान के पास बैठ जाइए, केवल कथा मे बेठ बाकी आपकी चिंता भगवान करेगा। जब गाय बछडा देती है, सबसे पहले अपने बच्चे को चाटने लग जाती है। मां की ममता अनुठी है। भजन के माध्यम से विद्वान वक्ता पं नागर ने बताया कि, दुख से कभी घबराना नही और सुख मे इतराना नही, सिर्फभगवान भरोसे रहना है। कोई आता है जाता है, संसार मुसाफिर खाना है। जिन्होने जो कमाया और बसाया, उनका कमाने और बसाने मे ही जीवन खत्म हो गया। गरज और कर्ज से गोविंद बचाते है। बस भगवान अर्ज करो, अरदास करो। तुलसीदासजी को एक ही धुन थी राम मिले। जहां कथा होती है, वहां हनुमान स्वयं रहते है। चित्रकुट के घाट पर भइ संतन की भीड, तुलसीदास चंदन घीसे तिलक करे रघुवीर, का विस्तृत भावार्थ समझाया। व्यक्ति का कर्म खराब होता है और कोई चीज खराब नहीं है भ्रम में मत पढ़ो भजन करो। भगवान की व्यवस्था अच्छी है, जो दिया वो अच्छा है बस मानव के कर्म खराब है। पांडाल मे श्रोता की संख्या के चलते एलईडी की व्यवस्था भी की गई। ग्राम बेकल्दा भागवत भक्ति मे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। भागवत आयोजन मे क्षेत्रवासी भी सराहनीय सेवा कार्य कर रहे है।

सहकारी संस्था में हुई चोरी का 24 घंटे के अंदर ही पुलिस ने किया खुलासा

माही की गूंज, थांदला

सहकारी संस्था में अज्ञात बदमाशों द्वारा ऑफिस का ताला और दरवाजा तोड़कर अंदर रखे प्रिंटर मशीन, कंप्यूटर सेट, एलईडी, मिक्सर, इनवर्टर, डोंगल, लैपटॉप चार्जर आदि सामान चुरा लिए थे। संस्था प्रबंधक जगदीश वर्मा की रिपोर्ट पर थांदला थाने में अपराध पंजीबद्ध किया गया। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता और एसडीओपी रविंद्र राठी के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई। मुखबिर से मिली सूचना और शंका के आधार पर आरोपी योगेश पिता बंटी गवली से पूछताछ की। जिसमें आरोपी योगेश ने उक्त चोरी को करना स्वीकार किया। आरोपी के घर से चोरी किया गया सामान जप्त किया गया। चोरी की वारदात में पकड़ा गए युवक पर पूर्व में भी अपराध पंजीबद्ध था। मंगलवार की शाम को नवागत एसडीओपी रविंद्र राठी और थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना का खुलासा किया।

जिला कलेक्टर ने नल-जल योजना के कार्य में गुणवत्ता नहीं होने पर ठेकेदार को लगाई फटकार

माही की गूंज, मेघनगर

जिला कलेक्टर ने मेघनगर में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करने के पश्चात मेघनगर में चल रहे नल-जल योजना की जानकारी ली। जनता की शिकायत पर और काफी दिनों से आ रही खबर को देखते हुए कलेक्टर ने मेघनगर में भ्रमण कर नल-जल योजना की जानकारी लीं। जानकारी में गुणवत्ता नहीं पाए जाने पर कलेक्टर काफी नाराज दिखे मेघनगर के ठेकेदार को नगर की जनता के सामने लगाई फटकार और कई दिनों से चल रहे इस नल-जल योजना के कार्य को मेघनगर में हर जगह गड्ढे ही गड्ढे कर दिए हैं। इस कार्य में जनता और जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों की शिकायत पर कलेक्टर ने निरीक्षण किया, इस कार्य को लेकर कलेक्टर काफी नाराज दिखे और कहां इस तरह कार्य चलता रहा तो हम आपको ब्लैक लिस्ट करवा देंगे और आप के खिलाफएफआईआर करा देंगे। इस विषय पर भाजपा के पूर्व पार्षद भुपेश भानपुरीया और मंडल अध्यक्ष सचिन प्रजापत उनके साथ जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक भी उपस्थित थे। उन्होंने सरकार के पैसों का दुरुपयोग करने पर काफी नाराजगी जताई और कलेक्टर को शिकायत की इस पर कलेक्टर ने कार्रवाई करने के आदेश दिए। मेघनगर के एसडीएम और नगर के सीएमओ को समीक्षा के आदेश दिए। इस गर्मी में हवा के साथ धूल उड़ आती है ऐसे माहौल में मेघनगर की जनता काफी परेशान हैं, चाहे दुकान लगाने वाले हो या फेरी करने वाले और फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले सभी इस गड्ढे और धूल से परेशान है और तो और लोगों ने अपने वार्ड की समस्या को कलेक्टर के सामने रखा और उनकी समस्या को सुन मेघनगर के आला अधिकारी को निराकरण करने के आदेश दिए। नल-जल योजना के कार्य को 3 से 4 वर्ष हो चुके हैं इसको पूरा नहीं होने पर नगर के लोगों में काफी आक्रोश है। इस तपती गर्मी में हर एक व्यक्ति को जल की आवश्यकता होती है परंतु यह नल-जल योजना का कार्य कब पूरा होगा यह भी एक विषय है। मेघनगर में कलेक्टर के कड़े आदेश देने के बावजूद यह ठेकेदार कितने गुणवत्ता से कार्य करता है या भ्रष्टाचार करता है यह तो आने वाला समय ही बताएगा और केंद्र की नल-जल योजना का लाभ मेघनगर की जनता को कितनी जल्दी मिलता है यह भी एक चिंता का विषय है।

सड़क किनारे रात के अंधेरे में मौत बिछा रहा सड़क ठेकेदार

माही की गूँज, पेटलावद

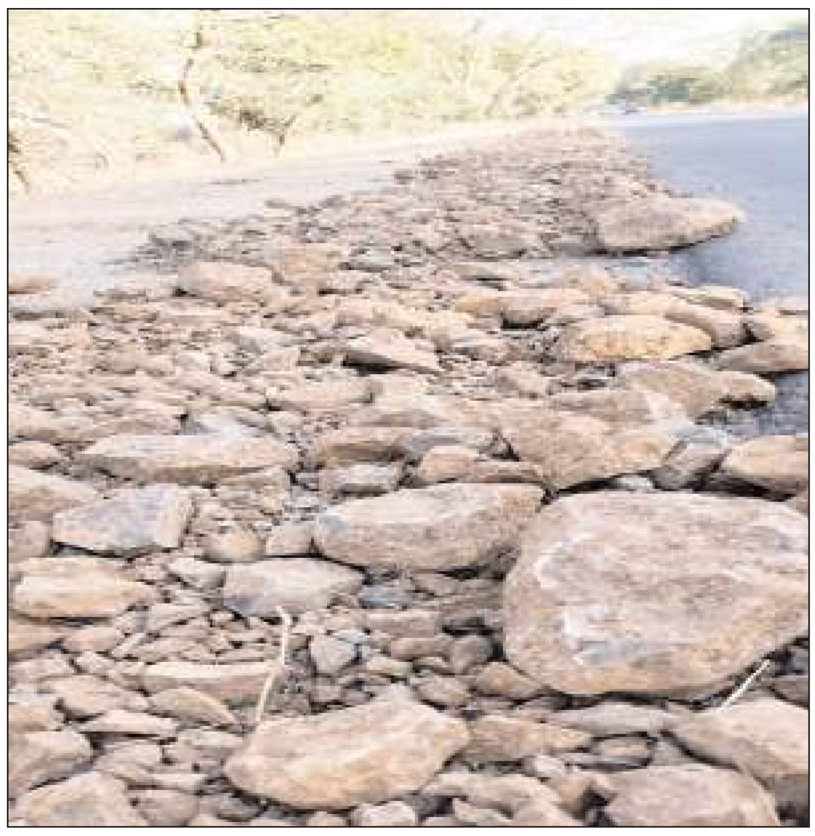

लम्बे समय से रायपुरिया-बामनिया मार्ग की दोनों और कि साइड पट्टी के भराओ का कार्य नही किया जा रहा था जिससे सड़क की ऊँचाई अधिक होने से आये दिन वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे थे , शिकायत के बाद एमपीआरडीसी द्वारा सड़क निर्माण एजेंसी दिलीप बिल्डिकान को सड़क की साइड पट्टी जल्द से जल्द भरने को कहा था , ठेकेदार द्वारा सरकारी मोहर्रम को चोरी कर बिना अनुमति मोहर्रम उठाकर साइड पट्टी भरने का कार्य शुरू किया लेकिन अवैध रूप से मोहर्रम लेने की शिकायत के बाद राजस्व के अधिकारी हरकत में आये तो ठेकेदार कार्य अधूरा छोड़ कर चला गया । अब ठेकेदार बचा हुवा काम जैसे तैसे रात के अंधेरे में पूरा करने की कोशिश में है जिसके लिए वह लोगो की जान से खिलवाड़ करने से भी नही चूक रहा है ,ठेकेदार रात में सड़क के किनारों से ही बड़े बड़े पथर वाला मोहर्रम साइड पट्टी में बिछा रहा है जो किसी भी वाहन चालक के लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है , ठेकेदार ने रोड के किनारे जिस प्रकार से मोहरम की जगह पथर डाले है कभी भी यहां बड़ा हादसा हो सकता है , चालक ठेकेदार मोहर्रम चोरी मामले में कार्यवाही के डर से प्रशासन के पास अनुमति के लिए नही जा रहा और रोड के आस पास पड़े मटेरियल और बाज़र से मकानों के निकले मटेरियल से साइड पट्टी में भराव कर रहा है । ठेकेदार द्वारा नियमो के विपरीत मात्र एक से दो फिट तक ही मटेरियल डाला जा रहा है जबकि सड़क के दोनों ओर पांच-पांच फीट भराओ करना था , खेर जिम्मेदार अधिकारीयो की लापरवाही से पहले भी कई लोग दुर्घटना का शिकार हो चुके है तो दो तीन लोग जान भी गवा चुके है अगर ऐसा ही कार्य चलता रहा तो भविष्य में सड़क किनारे बिछाई जा रही मौत की चपेट में और भी लोग आएंगे ये तय है , एमपीआरडीसी रतलाम के अधिकारी अतुल मुले को इस संबंध में फ़ोटो भेज कर अवगत करवाया गया तो उन्होंने भी कार्यवाही कर सुधार करवाने का आश्वासन दिया लेकिन कोई सुधार होता नही दिखा।

आजादी महोत्सव के अंतर्गत स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद

बुधवार को सिविल अस्पताल पेटलावद में कलेक्टर सोमेश के नेतृत्व में देश की आजादी की 75वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। जिसमें हेल्थ आईडी, आयुष्मान कार्ड, जनरल ओपीडी, महिला विशेषज्ञ, शिशु रोग, दन्त रोग, नाक, कान गला, नेत्र विभाग, टैली, आयुर्वेद, होमियोपेथी, यूनानी पेथी, चरम रोग के चिकित्सक उपलब्ध रहे। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर के द्वारा माँ सरस्वती को माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा शिविर में आए लोगो को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य सम्बन्धित गतिविधियों के बारे में जागरूक किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित करते हुए पेटलावद ब्लॉक द्वारा कुल 2307 हितग्राहियो को लाभान्वित किया गया। जिसमे 0 वर्ष से लेकर 60 वर्ष तक की जनता एवं गर्भवती माताओ सहित समस्त प्रकार के रोगों से पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया गया। उक्त अवसर पर एसडीएम शिशिर गेमावत, मुख्य चिकितसा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपाल सिंह ठाकुर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी पेटलावद डॉ एमएल चोपड़ा, सर्जिकल विशेषज्ञ डॉ जीएस चोयल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ उर्मिला चोयल, जिला स्वास्थ्य कार्यलय से आर आर खन्ना डीपीएम, सीएचओ डॉ जयेश स्वर्णकार, सीएलओ दिपेश ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

तहसीलदार वर्मा और उनकी पत्नी ने रक्तदान कर किया प्रेरित

सिविल हॉस्पिटल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में लोगो ने पहुँच कर स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। इस शिविर के दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया था। उक्त शिविर में पेटलावद के तहसीलदार जगदीश वर्मा और उनकी पत्नी रेखा वर्मा ने भी स्वेच्छा से रक्तदान कर लोगो को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। तहसीलदार वर्मा ने बताया कि, ग्रामीण इलाकों में रक्तदान को लेकर भ्रांतियां बनी हुई है जिससे लोग रक्त दान के लिए आगे नही आते है खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर अधिक भ्रांतियां है इस लिए पत्नी के साथ रक्त दान कर प्रेरित करने का प्रयास किया है।

नवागत जजों का अभिभाषक संघ ने किया स्वागत

माही की गूंज , पेटलावद

बार और बेंच हमेशा पक्षकार के हितों के लिए काम करते हैं और एक-दूसरे के पूरक होते हैं। इसलिए दोनों को मिलकर सामंजस्य बिठाकर काम करना जिससे कि न्याय की उम्मीद लेकर न्यायालय में आने वाले व्यक्ति को पूर्ण संतुष्टि पूर्वक न्याय मिल सके।

उक्त उद्गार पेटलावद अभिभाषक संघ में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए नवागत अपर जिला जज मनोहर लाल पाटीदार, सिविल जज वर्ग 2 चिराग अरोड़ा व सिविल जज वर्ग 2 रुचि पटेरिया अरोड़ा के द्वारा उपस्थित अभिभाषकगण को सम्बोधित करते हुए कही। अभिभाषक संघ द्वारा सोमवार को स्वागत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष विनोद पुरोहित ने कहा कि, अंचल के गरीब पक्षकारों की समस्याओ और यहां वकीलों के कामकाज के तौर-तरीकों तथा सभ्यता और संस्कृति से परिचय करवाया और समस्त अभिभाषको की और से तीनों जजों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र चतुर्वेदी ने अपने प्रभावी उद्बोधन में पेटलावद अभिभाषको के द्वारा हमेशा बार और बेंच के बीच तालमेल बिठाकर जजों के कामकाज में पूरा सहयोग देने और लोक अदालतों को सफल बनाने की

पुरानी परम्परा के आधार नवागत जजो को भी न्यायालय के कार्यों में सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर राजेंद्र मूणत, अरुण शर्मा, बीएल परमार, अनिल देवड़ा, मनोज पुरोहित, राहिल रजा मंसूरी, लक्ष्मीनारायण बैरागी, जितेंद्र जायसवाल, अविनाश उपाध्याय, कैलाश चौधरी, दुर्गेश पाटीदार, संजय राठौर ,कमलेश प्रजापत, ईश्वर परमार, निलेश सिंह कुशवाहा, रवि मीरा चौधरी, मनोहरसिंह डोडिया, विजेंद्र जादौन, दीपक बैरागी, संजय भायल, देवीसिंह बामनिया आदि अधिवक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन अभिभाषक राजेन्द्र चतुर्वेदी ने और आभार प्रदर्शन सचिव बलदेव सिंह राठौर ने किया।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारी जोरों पर, हुआ दिपयज्ञ का आयोजन

गुरुदेव के संदेश को घर-घर पहुँचाने के लिए गायत्री परिवार संपर्क करते हुए

माही की गूंज, सारंगी

अखिल विश्व गायत्री परिवार पेटलावद के तत्वावधान में चार दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ तथा संस्कार महोत्सव का आयोजन पेटलावद में होगा। यह आयोजन 27 से 30 अप्रैल तक चलेगा, गांव-गांव में गायत्री स्वजन बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। जिसके तहत आज सारंगी नगर में रामचंद्र पाटीदार के यहां दीपयज्ञ के आयोजन के माध्यम से 24 कुण्डीय गायत्री यज्ञ पेटलावद एवं गुरुदेव के सन्देश घर-घर पहुंचाने के लिये गायत्री परिवार सम्पर्क करते हुए घर-घर पहुंचकर धर्मप्रेमी जनता से इस गायत्री महायज्ञ तथा संस्कार महोत्सव में सपरिवार शामिल होने की अपील कर रहे हैं। जिसमे गायत्री परिवार के शम्भु लाल पटेल, रामेश्वर पाटीदार, लीलाशंकर पाटीदार, दीपक पाटीदार, रवि पाटीदार एवं समस्त गायत्री परिवार सारंगी उपस्थित थे।

सिंघेश्वर धाम पर भाजपा जिला युवा मोर्चा की बैठक हुई सम्पंन

माही की गूंज, झकनावदा

सिंघेश्वर धाम पर प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा पांडे और जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह चौहान द्वारा जिले के सभी पदाधिकारी की जिला कार्य समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिला सह मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि, कार्यक्रम की शुरुआत श्याम प्रसाद मुखर्जी, भारत मां, पंडित दीनदयाल शर्मा, स्वामी विवेकानंद, कुशाभाव ठाकरे की तस्वीरो पर माला पहनाकर और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम को शुरू किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन राजेश वसुनिया जिला महामंत्री ने किया। सभी पधाधिकारी की उपस्थिति में मंगलवार को सभी युवा मोर्चा कार्यकारणी के नवनिर्मित सदस्यों की सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साथ ही सभी का परिचय देते हुए, कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। सभी मंच पर विराजमान पदाधिगण का नवनिर्मित सदस्यों द्वारा हार माला पहनाकर स्वागत कराया गया। बाद में मंच संचालन द्वारा सभी युवा मोर्चा को इस कार्यक्रम की रूप रेखा और अभी तक जो कार्य किए गए हैं उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी। उसके बाद मंच पर विराजमान पदाधिगण द्वारा युवाओं में जोश के साथ कार्य करने की बात कही, बीजेपी की रीड की हड्डी है युवा मोर्चा आप सभी साथी इसे अमल करे। इसी कड़ी में एक-एक कर सभी अथितियो के द्वारा युवा मोर्चा को आगे क्या-क्या कार्य करना है उससे भी अवगत कराया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा पाण्डे का फुलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

मदलदा से बस्सी (राज.) सीसी मार्ग का विधायक ने किया भुमिपुजन

माही की गूंज, थांदला

राजस्थान की पंचायत बस्सी एवं मध्यप्रदेश की ग्राम पंचायत मांदलदा दोनों पंचायतों के ग्रामवासियों की सहमति से आपस में समझौता हुआ एवं सीसी रोड की मंजूरी क्षेत्र के विधायक वीरसिंह भूरिया द्वारा की गई। इस सीसी रोड को बन जाने से ग्राम पंचायत राजस्थान की बस्सी के ग्रामवासियों को बारिश के दिनों में कुशलगढ़ घूमकर थांदला, खवासा, मांदलदा, कदवाली आना पड़ता था एवं ग्राम पंचायत मांदलदा के ग्राम वासियों को घूमकर कुशलगढ़ जाना पड़ता था। बहुत समस्या होने के कारण विधायक को अवगत करवाया एवं विधायक ने दोनों ग्रामो के ग्रामवासियों को आपस में समझौता करवाया जिसका भुमिपुजन विधायक भूरिया द्वारा किया गया। इस मौके पर राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की दोनों पंचायतों के ग्रामीणों ने विधायक को साफा बांधकर स्वागत किया। उपस्थित क्षेत्र के विधायक वीरसिंह भूरिया, जनपद अध्यक्ष गेंदाल डामोर, राजस्थान ग्राम पंचायत बस्सी के सरपंच राकेश वड़खिया, आईटी सेल, विधानसभा अध्यक्ष रूसमाल मईडा, दुनिया भूरिया आदि उपस्थित थे।

अतिक्रमण से मुक्त कराई गई सरकारी भूमि पर फिर से अतिक्रमण करने का प्रयास

सरकारी भूमि पर हुआ पट्टों का खेल, रिकॉर्ड में आज भी पट्टे दर्ज नही

माही की गूंज, पेटलावद

कुछ माह पूर्व पेटलावद-सारँगी मार्ग पर मॉडल स्कूल के नीचे स्थित बेशकीमती शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 2985 जिस पर कई भूमाफियाओ की काली नजर थी। शिकायत के बाद प्रशासन ने मौके पर भूमि का सीमांकन कर शासकीय भूमि को तारफेन्सिंग कर सुरक्षित किया था। सीमांकन के समय कुछ लोग इस भूमि पर अपना पट्टा होने का दावा करने पहुचे थे, लेकिन रेकॉर्ड में पट्टे दर्ज नही थे। कुछ माह निकलने के बाद इस भूमि पर एक बार फिर अतिक्रमण शुरू हो चुका है। प्रशासन द्वारा की गई तारफेन्सिंग को जगह-जगह से तोड़ कर भूमि पर निर्माण करने की नियत से ईटे डाली गई है, साथ ही कच्चा निर्माण किया जा रहा है। मामला प्रशासन की सज्ञान में है या नही इसकी जानकारी तो नही है लेकिन स्थानीय ग्राम पंचायत और हल्का पटवारी द्वारा इस अतिक्रमण के सम्बंध में कोई लिखित जानकारी प्रशासन को नही दी है।

रेकॉर्ड में आज तक सरकारी, कोई पट्टा दर्ज नही - प्रशासन के पूर्व जबाबदार अधिकारियो द्वारा इस भूमि को ठिकाने लगाने की नीयत से लेन देन कर कुछ लोगो को पट्टे जारी कर वसुली कर ली लेकिन पट्टे आज दिनांक तक राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज नही है जिससे साफहै पट्टे का खेल खेला गया जिसे दबाया जा रहा है , भूमि के सीमांकन के बाद चार से पाँच लोगो ने पट्टे होने का दावा कर निर्माण करने के लिए कब्जा कर लिया था जिसे हटाया गया जो कही न कही फिर से होता दिख रहा है , राजस्व विभाग की मंशा इस शासकीय बेशकीमती भूमि को लेकर क्या है ये तो नही कहा जा सकता लेकिन जिस तरह से शुरू हुवे अतिक्रमण पर मौन बना हुवा है उससे साफहै अतिक्रमणकर्ताओ को सहयोग किया जा रहा है ।

शिकायतों से लगातार घिर रही नगर परिषद, सामने आए नगर परिषद अध्यक्ष श्री भटेवरा

प्रेस नोट जारी कर दी सफाई, परिषद ने निर्णय सर्वानुमति से लेकर किए जा रहे है कार्य

माही की गूंज ,पेटलावद-बुधवार को नगर परिषद द्वारा प्रेस नोट जारी कर बताया गया कि नगर परिषद की बैठक दिनांक 18 अप्रैल को आयोजित की गई थी जिसमें नगर में स्थित दुकानों के ऊपर बनी छतों को शासन के नियमानुसार कलेक्टर गाइडलाइन से 70 प्रतिशत अधिक देने का प्रस्ताव था जो सर्वानुमति से पारित हुआ। पूर्व में वार्ड क्रमांक 5 गणपति चौक पर बनी दुकानों के ऊपर छत पक्षियों के दाना पानी का स्थान होने से परिषद की बैठक दिनांक 12 जनवरी 2021 के प्रस्ताव क्रमांक 240 के अनुसार छतो की नीलामी लीज पर नहीं देने का प्रस्ताव सर्व अनुमति से पारित किया जा चुका है। उस स्थान की लीज नीलामी का निर्णय परिषद ले चुकी है एवं वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद को भी यह बात मालूम है। दिनांक 18 अप्रैल 2022 की बैठक जैसे ही शुरू हुई इस बात का खुलासा हुआ कि वार्ड क्रमांक 5 में गणपति चौक छत की नीलामी पूर्व में परिषद निर्णय अनुसार नहीं की जावेगी एवं वर्तमान में छतो की नीलामी एवं 10 स्वीकृति भी परिषद द्वारा की गई है। साथ ही वार्ड क्रमांक 5 की छत के संबंध में कुछ लोगों के द्वारा झूठी एवं भ्रामक अफ़वाहें फैलाई जा रही है। पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी को भी इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा पत्र लिखकर जानकारी प्रेषित की गई है। वर्तमान में परिषद ने अभी तक जो भी निर्णय लिए हैं ,वह सर्व अनुमति से लिए गए है।

संपादकीय

सांप्रदायिक सौहार्द से होगा विकास न की सांप्रदायिक हिंसा से

मध्य प्रदेश के खारगोन से वाया दिल्ली होती हुई सांप्रदायिक हिंसा की तपिश कर्नाटक के हुबली तक जा पहुंची है। ऐसा पहले बार नहीं है कि, बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों के त्यौहार आस-पास गुजरे हैं। लेकिन हाल-फिलहाल इनको लेकर टकराव की घटनाएं विचलित करती हैं। निःसंदेह, इस हिंसा के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। देश देख रहा है कि, राज्यों में चुनाव से पहले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की जो कुत्सित कोशिशें होती हैं, वे समाज में भय का वातावरण बना देती हैं। एक आम आदमी को लगता है कि, देश का वातावरण कितना विषैला हो गया है लेकिन चुनाव संपन्न होते ही सन्नाटा पसर जाता है। जाहिर है, यह कटुता कृत्रिम है और इसके राजनीतिक लक्ष्य होते हैं। निःसंदेह धर्म व्यक्ति का निजी मामला है। इसके सार्वजनिक प्रदर्शन का कोई तार्किक आधार नहीं है। सदियों से निरंतर अक्षुण्ण रही सनातन संस्कृति विदेशी आक्रांताओं के दमन के बावजूद विद्यमान रही है। जरूरी नहीं है कि, सार्वजनिक प्रदर्शन से उसका कोई भला होगा। यदि सार्वजनिक आयोजन हों भी तो उनकी भाषा संयत होनी चाहिए। इसका मतलब यह भी नहीं है कि, हमलावरों के कृत्य को सही ठहराया जाए। धर्म वही बड़ा होता है, जिसमें सहिष्णुता हो। बड़ी लकीर खींचने का अभिप्राय कभी दूसरों की लकीर मिटाना नहीं होता। वैसे भी ऐसी हिंसा से समाज का कमजोर वर्ग ही प्रभावित होता है। खासकर रोज कमाकर खाने वाला वर्ग। देश की प्रगति के लिये धार्मिक सहिष्णुता अनिवार्य शर्त है। हाल ही की हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। ऐसे में सवाल राजनीतिक नेतृत्व पर भी उठता है कि, उनकी विचारधारा वाले संगठन क्यों अतिरंजित बयानों से उकसाने की गतिविधियों में लिप्त होते हैं। सवाल यह भी कि, शीर्ष नेतृत्व के प्रगतिशील विचार व सहिष्णुता की बयानबाजी का निचले स्तर पर असर क्यों नहीं होता, ये कथनी-करनी का अंतर क्यों नजर आते हैं। सवाल यह भी है कि, आजादी को अमृत महोत्सव मनाते वक्त हम धार्मिक सहिष्णुता का पाठ नागरिकों को क्यों नहीं पढ़ा पाए। हम पिछले सात दशक में लोगों को इतना परिपक्व क्यों नहीं बना पाए कि वे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों को सिरे से खारिज कर सकें। जब देश में विकास की प्राथमिकताओं की बात होती है तो फिर सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण की जरूरत क्यों होती है...? यह देश एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। बहुसंख्यकों के यदि अधिकार हैं तो दायित्व भी बड़े भाई जैसे हैं लेकिन वहीं अल्पसंख्यकों को भी उत्पात का अधिकार नहीं मिल जाता। यह भी कि देश में सत्तारूढ़ दल को भी अल्पसंख्यकों द्वारा सिरे से खारिज नहीं करना चाहिए। ऐसा संदेश क्यों जाता है कि, फलां जगह इस दल का नेता है तो उसे अल्पसंख्यकों के वोट नहीं मिलेंगे। निस्संदेह, देश के सांप्रदायिक सौहार्द को खराब करने में राजनीतिक दलों की बड़ी भूमिका रही है, लेकिन इस तथ्य को बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक समाज को भी गंभीरता से लेना होगा कि किसी भी तरह का ध्रुवीकरण अंततः सामाजिक समरसता के लिये घातक होता है। यह जानते हुए कि बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों, दोनों को इस देश में ही रहना है तो बेहतर है कि मिलजुल कर रहें।

बुलडोजर यानि कानून पुलिस के हाथ में!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

कुछ समय से बुलडोजर पुलिस का शस्त्र बन गया है।खासकर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व अन्य कुछ भाजपा शासित राज्यो में अपराधियों को सबक सिखाने के लिए कानूनी कार्यवाही के बजाए पुलिस बुलडोजर का भय दिखाकर अपराधियों पर अंकुश लगाने का दावा कर रही है।कही कही यह बुलडोजर प्रयोग सफल भी हुआ है, यानि अपराधी अपना घर ध्वस्त होने के डर से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर रहे है। मुरादाबाद में एक वाहनचोर गिरोह का सरगना सच नही उगल रहा था, पुलिस ने उसे बुलडोजर का भय दिखाया तो उसने न सिर्फअपने 6 अपराधी साथी पकड़वाए बल्कि 2 करोड़ रुपए कीमत के चोरी के वाहन जिनमें 10 कार व 40 कटे हुए दुपहिया वाहन बरामद कराए है। लेकिन क्या कानून पुलिस को यह ख़ौफ़ दिखाने या फिर किसी उस तथाकथित अपराधी जिसका अपराध न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध तक नही हुआ के घर या सम्पत्ति को ध्वस्त करने की अनुमति देता है शायद कदापि नही, तो फिर खुलेआम इस तानाशाही का समर्थन क्यो और किस लिए किया जा रहा। यह बुलडोजर उत्तर प्रदेश की तो कानून व्यवस्था का प्रतीक बन गया है।तभी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'बुलडोजर बाबा' तक कहा जाने लगा। चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बात नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बुलडोजर रैलियां निकालकर बुलडोजर को कानूनसम्मत सिद्ध करने की कोशिश की।

विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी योगी आदित्यनाथ ने बार-बार कहा कि, उत्तर प्रदेश में अपराधियों को सरकार के बुलडोजर का खौफहो गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, उनकी सरकार ने चुन-चुनकर अपराधियों के खिलाफबुलडोजर से कार्रवाई की और आगे भी ये कार्रवाई जारी रहेगी। दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से भी योगी आदित्यनाथ की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई जारी है।वही अब देश के अन्य राज्यो के अलग-अलग हिस्सों से भी बुलडोजर चलने की खबरें आ रही है। गत तीन अप्रैल को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह के तीन मंजिला घर को बुलडोजर से ढहा दिया गया, जगत नारायण सिंह वही पुलिसकर्मी हैं जिन पर कानपुर के व्यापारी मनीष गुप्ता की हत्या का आरोप है।

इससे पहले दो अप्रैल को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 150 बीघा में फैली प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया था। धूमगंज और कौशांबी में भी इस तरह की कार्रवाई हुई है। प्रशासन की तरफसे की गई प्लॉटिंग को अवैध बताया गया था और कहा गया कि इसीलिए उसे ध्वस्त किया गया है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 134 और 135 में बने एक फार्म हाउस पर बुलडोजर चलाकर उसे तहस नहस कर दिया गया। प्रशासन की तरफ से बताया गया कि जिस इलाके में ये फार्म हाउस बना था, वहां किसी भी तरह का निर्माण कार्य करना अवैध है।

अधिकारियों ने कहा कि, भू-माफिया अवैध प्लॉटिंग के जरिए जमीन बेच देते हैं जिसके बाद वहां अवैध निर्माण हो जाता है। बुलडोजर चलाने की कार्रवाई सहारनपुर में भी की गई है। सहारनपुर के गांव चालकपुर में गैंगरेप के आरोपियों के घर को पुलिस ने बुलडोजर चलाकर ढहा दिया है। चालकपुर में एक सप्ताह पहले एक नाबालिग के साथ गैंगरेप हुआ था। इसी तरह चंदौली में भी सरकारी जमीन पर बने एक अवैध मकान को ध्वस्त कर दिया गया था। अलग-अलग मामलों के आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोडर चलने की खबरें और भी जगहों से भी लगातार आ रही है। जैसे एटा, कासगंज, गोरखपुर और महाराजगंज में भी बुलडोजर चल रहे है। इन कार्रवाइयों के बीच एक बार फिर से यह सवाल उठ रहा है कि, आखिर बुलडोजर की ये सारी कार्रवाई होती कैसे है? कौन इसका आदेश देता है? क्या आरोपी को पहले से इस तरह की कार्रवाई के बारे में बताया जाता है? और सबसे आवश्यक बात यह कि केवल आरोप लग जाने पर ही बुलडोजर कार्रवाई करना कितना उचित व न्याय संगत है? ओर क्या बुलडोजर कार्यवाही न्याय प्रक्रिया का हिस्सा है या फिर पुलिस प्रशासन की तानाशाही? उत्तर प्रदेश में बुलडोजर से संपत्ति ढहाने की कार्रवाई 'उत्तर प्रदेश अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट 1973' के तहत की जा रही है। इस कानून की धारा 27 के तहत प्रशासन को अवैध संपत्तियों को ढहाने का अधिकार मिला हुआ है। इस संबंध में विकास प्राधिकरण के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन नोटिस जारी कर सकते हैं। राजस्व विभाग के अधिकारी इसमें उनकी मदद करते हैं। इस एक्ट के अनुसार अगर संपत्ति गिराने का अंतिम आदेश प्राधिकरण द्वारा जारी हो चुका है, तो प्रशासन को अधिकतम 40 दिनों के अंदर संपत्ति को गिराना होगा। एक्ट यह भी कहता है कि, संपत्ति गिराने का आदेश देने से पूर्व उस संपत्ति के मालिक को अपना पक्ष रखने का अवसर दिए बिना जारी नहीं किया जा सकता। यही नहीं, आदेश जारी होने के 30 दिनों के भीतर संपत्ति का मालिक आदेश के खिलाफ अपील कर सकता है। उस अपील पर सुनवाई के बाद आदेश में संशोधन किया जा सकता हैं या फिर उसे रद्द भी किया सकता हैं। लेकिन क्या केवल आरोपी होने पर किसी की संपत्ति पर बुलडोजर चला देना न्यायोचित है? क्या हत्या के आरोपी के मकान को ढहा देना विधिसम्मत कहा जाएगा? और अगर कोई आरोपी बाद में निर्दोष सिद्ध हो गया तो ध्वस्तीकरण से हुए नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

उत्तर प्रदेश के बिकरू में पुलिसकर्मियों की हत्या के बाद माफिया विकास दुबे की संपत्तियों पर बुलडोजर चलने के बाद से ही बुलडोजर चर्चाओं में आया। इसके बाद बाबा योगी आदित्यनाथ की सरकार के बुलडोजर ने मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, खान मुबारक, ओमप्रकाश उर्फ बबलू समेह कई गैंगस्टरों की अवैध संपत्तियों को बुलडोजर से कुचल दिया। आमजन ने योगी के इस बुलडोजर ऐक्शन को काफी पसंद भी किया। सत्ता में उनकी वापसी में यह बुलडोजर एक बड़ा फैक्टर बना है।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उत्तर प्रदेश की राह पर निकल पड़े हैं। खरगोन में रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव करने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री चौहान ने सख्त रुख अख्तियार किया है। इनके घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर मैदान बनाया जा रहा है। पत्थरबाजों को जेल में हवा खिलाई जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि, दंगाइयों की पहचान कर ली गई है। इनमें से किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मामले पर दो-टूक कहा कि, खरगोन के गुनहगारों से सख्ती से निपटा जाएगा। वहां जिन घरों से पत्थर आए हैं, उन घरों को पत्थर का ढेर बनाएंगे। यानि न पुलिस की जरूरत और न ही न्यायालय की। इधर अपराध हुआ उधर सरकार ने दंड दिया। यही सोच और कार्यशैली बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि, सत्ता में बैठे लोगों को महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याओं पर बुलडोजर चलाना चाहिए। लेकिन, भाजपा के बुलडोजर पर तो नफरत और दहशत सवार है। खरगोन में रामनवमी पर हुई हिंसा के आरोपियों के घरों और दुकानों पर चलाए जाने की पृष्ठभूमि में राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की है।लोकतांत्रिक व्यवस्था व न्यायिक प्रणाली के बावजूद राज्य सरकारो को बुल्डोजर अभियान चलाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? क्या राज्य सरकारो का अपने कानून और पुलिस व्यवस्था से भरोसा उठ गया है? यदि नही तो भी न्याय व्यवस्था को अपने हाथ मे लेना क्या अनुचित नही है। शासन व प्रशासन का गुंडों, माफियाओं पर डर होना चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं की उनके घर पर ही बुलडोजर चलवा दो। एक परिवार में एक आदमी गलत हो सकता है पर उसकी सजा पूरा परिवार क्यों भुगते? हैरत की बात है कि, देश की सम्मानित अदालतों ने भी इस मामले में अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया? अगर सिर्फ अपराधी होने के कारण किसी का घर जमींदोश होता है तो फिर पुलिस और न्यायालय किस लिए है। अगर विधायिका का काम कार्यपालिका ही करने लगी संविधान की मूल भावना ही ध्वस्त हो जाएगी। मेरा अनुरोध है उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश जैसी उन राज्य सरकारों से जो बुलडोजर को न्याय का हथियार बना रहे है, कि जिस संविधान की शपथ लेकर वे सरकार में बैठे है क्या वह संविधान उन्हें इस बुलडोजर की इजाज़त देता है, यदि नही तो पुलिस और न्याय व्यवस्था पर भरोसा करके कानून अपने हाथ मे न लो, यही अच्छा है।

मुट्ठीभर उग्रवादियों के भरोसे भारत...?

रामनवमी और हनुमान जयंति के अवसरों पर देश के कई प्रदेशों में हिंसा और तोड़-फोड़ के दृश्य देखे गए। उत्तर भारत के प्रांतों के अलावा ऐसी घटनाएं दक्षिण और पूर्व के प्रांतों में भी हुईं। हालांकि इनमें सांप्रदायिक दंगों की तरह बहुत खून नहीं बहा लेकिन मुझे याद नहीं पड़ता कि, आज़ाद भारत में ऐसी हिंसात्मक घटनाएं कभी कई प्रदेशों में एक साथ हुई हों। ऐसा होना काफी चिंता का विषय है। यह बताता है कि पूरे भारत में सांप्रदायिक विद्वेष की कोई ऐसी अदृश्य धारा बह रही है, जो किसी न किसी बहाने भड़क उठती है। विरोधी दलों ने संयुक्त बयान देकर पूछा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? वे कुछ बोलते क्यों नहीं हैं? इस प्रश्न का भावार्थ यह है कि इन हिंसात्मक कार्रवाइयों को भाजपा सरकार का आशीर्वाद प्राप्त है। विरोधी दलों के नेता इन कार्रवाइयों के लिए सत्ताधारी भाजपा को जिम्मेदार ठहराना चाहते हैं। यहां यह सवाल भी विचारणीय है कि क्या इस तरह के सांप्रदायिक दंगे और हिंसात्मक घटना-क्रम सिर्फ भाजपा शासन-काल में ही होते हैं? कांग्रेसियों, कम्युनिस्टों और समाजवादियों के शासनकाल में ऐसी घटनाएं क्या बिलकुल नहीं हुई हैं? यह हमारे भारतीय

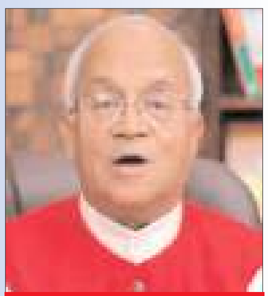

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

समाज का स्थायी चरित्र बन गया है कि हम अपने राष्ट्र से भी कहीं ज्यादा महत्व अपनी जात और अपने मज़हब को देते हैं। 1947 के बाद जिस नए शक्तिशाली और एकात्म राष्ट्र का हमें निर्माण करना था, उस सपने का थोक वोट की राजनीति ने चूरा-चूरा कर दिया। थोक वोट के लालच में सभी राजनीतिक दल जातिवाद और सांप्रदायिकता का सहारा लेने में ज़रा भी संकोच नहीं करते। भारत में ऐसे लोग सबसे ज्यादा हैं, जिनका नाम सुनते ही उनमें से उनकी जात और मजहब का नगाड़ा बजने लगता है। जो कोई अपनी जात और मजहब को बनाए रखना चाहते हैं, उन्हें उसकी पूरी आजादी होनी चाहिए लेकिन उनके नाम पर घृणा फैलाना, ऊँच-नीच को बढ़ाना, दंगे और तोड़-फोड़ करना कहां तक उचित है? यही प्रवृत्ति देश में पनपती रही तो भौगोलिक दृष्टि से तो भारत एक ही रहेगा लेकिन मानसिक दृष्टि से उसके टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। यह खंड-खंड में बंटा भारत क्या कभी महाशक्ति बन सकेगा? क्या वह अपनी गरीबी दूर कर सकेगा? मुझे तो डर यह लगता है कि 22 वीं सदी पूरी होते-होते कहीं ऐसा न हो जाए कि भारत के हर प्रांत और हर जिले को सांप्रदायिक और जातिवादी आधार पर बांटने की मांग पनपने लगे। आज भारत की राजनीति में अनेक सक्रिय दल ऐसे हैं, जिनका आधार शुद्ध संप्रदायवाद या शुद्ध जातिवाद है। यह राष्ट्रीय समस्या है। इसका समाधान अकेले प्रधानमंत्री या उनका अकेला राजनीतिक दल कैसे कर सकता है? इस पर तो सभी दलों की एक राय होनी चाहिए। अकेले प्रधानमंत्री ही नहीं, सभी दलों के नेताओं को मिलकर बोलना चाहिए। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, इसलिए उनकी आवाज़ सबसे बुलंद होनी चाहिए। किसी भी नेता को वोट बैंक की हानि से डरना नहीं चाहिए। वे अपने वोट बैंक के चक्कर में भारत की एकता बैंक का दिवाला न पीट दें, यह सोच जरुरी है। भारत-जैसा विविधतामय देश दुनिया में कोई और नहीं है। जितने धर्म, जितनी जातियां, जितनी भाषाएं, जितने खान-पान, जितनी वेश-भूषाएं और जितने रंगों के लोग भारत में प्रेम से रहते हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं रहते। क्या ऐसे करोड़ों भारतवासी मुट्ठीभर उग्रवादियों के हाथ के खिलौने बनना पसंद करेंगे?

नमाज बनाम हनुमान चालीसा, डरावना होता जा रहा देश का माहौल... ?

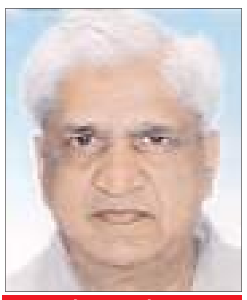

ओमप्रकाश मेहता

आज देश के माहौल को देखकर पूज्य बापू के प्रिय भजन ÷रघुपति राघव राजाराम÷ की महत्वपूर्ण पंक्ति ÷अल्ला-ईश्वर तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान÷ याद आ रही है और इसी पंक्ति के माध्यम से देश की खुशहाली चाहने वाला हर शख्स आज भगवान से प्रार्थना कर रहा है। अब यह तो पता नही कि भगवान के कानों तक देशभक्तों की अरज कब पहुंचेगी लेकिन यह तय है कि आज देश में जो भी आत्मघाती साम्प्रदायिक माहौल तैयार किया जा रहा है, वह देश को कहां व किस स्थिति में ले जाएगा। इसकी भयावह कल्पना से ही सिहरन पैदा होने लगती है, फिर इस माहौल के लिए कोई एक वर्ग या संगठन दोषी नहीं है। क्योंकि इसके भागीदार दोनों प्रमुख साम्प्रदायिक वर्गों के साथ सत्ता से जुड़े कुछ तत्व भी है। वैसे देश का साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने के अन्दरूनी प्रयास तो दिनों से चल रहे थे, किंतु असामाजिक व देश विरोधी तत्वों ने इस आत्मघाती कार्य की शुरूआत के लिए भी रामनवमी जैसा पवित्र दिन चुना और रामनवमी के जुलुसों पर पथराव तथा हिंसक वारदातें की, सरकारी-गैरसरकारी सम्पत्तियों को आग के हवाले किया और इस अभियान को देशव्यापी तरीके से चलाने की कौशिश की। चूंकि हिन्दूओं की नवरात्रि और मुस्लिमों का पवित्र रमज़ान पर्व इस बार एक ही समय से साथ में आया तो इन त्यौहारों को एक साथ सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनाने के बजाए, मस्जिदों पर लगे लाउड स्पीकरों को निशाना बनाया गया, जिसके जवाब में रामनवमी व हनुमान जयंती पर निकलने वाले जुलूसों पर पत्थराव-आगजली का सहारा लिया गया। इस मामले में मध्यप्रदेश को खरगोन ने बदनाम किया तो उत्तरप्रदेश व देश की राजधानी भी इसी प्रक्रिया के कारण बदनाम हुए जबकि मध्यप्रदेश की मुस्लिम बाहुल राजधानी भोपाल में हनुमान जयंती के जुलूस पर पुष्प वर्षा कर यहां के अल्पसंख्यक समुदाय ने पूरे देश के लिए एक सौहार्द्रपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया। देश की व्यावसायिक राजधानी मुम्बई भी इससे अछूती नही रही। देश के इस माहौल के बीच कुछ दिनों से तो ऐसा लगने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने हिन्दूओं को एकजूट करने की जिम्मेदारी ले ली है, संघ प्रमुख के पिछले एक सप्ताह के बयान इसके प्रमुख सबूत है, एक तरफ जहां संघ प्रमुख मोहनराव भागवत यह कह रहे है कि ÷अब अपना स्वाभिमान जगाने का सही वक्त आ गया है÷, वहीं दूसरी ओर उन्होंने अगले पन्द्रह साल में अखण्ड भारत का भी नारा बुलंद कर दिया है, वे यह भी कह रहे है कि ÷इस मुल्क पर हमलावरों को संघ के प्रबुद्ध जनों की ब्रिगेड माकूल जवाब देगी....÷ अब यह जवाब कैसा व किस रूप में होगा, इसका कोई जवाब संघ प्रमुख ने नहीं दिया है। यह जरूर कहा है कि ÷यह जवाब उन्हीं की भाषा में ही दिया जाएगा।÷ इस तरह कुल मिलाकर संघ व उसके प्रमुख ने हिन्दूओं को एकजुट करने उनमें जोश भरने की जिम्मेदारी वहन कर ली है। संघ प्रमुख के इस उद्गार में यह बात भी किसी की समझ में नहीं आई कि वे हाथों में डण्डा लेकर अहिंसा की बात कैसे करेगें? अरे.... वैसे तो हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी हाथों में लाठी थामकर अहिंसा की बात कही थी, तो क्या अब संघ परिवार भी इसी द्रष्टि से गांधी जी के चरणचिन्हों पर चलने की तैयारी कर रहा है? यद्यपि अपने आपको बड़ा हिन्दू संगठन बताने वाली शिवसेना ने संघ प्रमुख के अखण्ड भारत सम्बंधी बयान पर अच्छी-खासी टिप्पणी कर भागवत जी से पूछा है कि उनके अखण्ड भारत में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, थाईलैण्ड, बंगलादेश आदि शामिल होगे या नहीं? क्योंकि हमारे प्रमुख आर्यावर्त (हिन्दूस्तान) में तो ये सभी देश शामिल थे, इस पर भागवत जी के जवाब की शिवसेना को प्रतीक्षा है, किंतु यह सही है कि देश में सत्तारूढ़ दल व उससे जुड़े हिन्दूवादी संगठनों ने पिछले एक पखवाड़े से एक अजीब साम्प्रदायिक माहौल खड़ा करने का प्रयास किया है, जिसके कारण मुस्लिम वर्ग भी सतर्क हो गया है और इसके मुकाबले की तैयारी शुरू कर दी है। अब कुल मिलाकर यह साम्प्रदायिकता के अस्तित्व की जंग कहां जाकर थमेगी और इस विस्फोटक माहौल को कौन रोकेगा? यह तो अभी स्पष्ट नजर नहीं आ रहा है, किंतु यह तय है कि जो माहौल बनता जा रहा है या बनाने का प्रयास किया जा रहा है वह राष्ट्रहित में कतई नही है.... मैं तो अन्त में फिर वही कहूंगा- ÷सबको सन्मति दे भगवान.... !

ग्रामोदय की संकल्पना पर संपन्न हुई संगोष्ठी

राकेश कुमार वर्मा

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के सत्रह लक्ष्यों की प्राप्ति पर केन्द्रित प्रथम तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 अप्रैल को सतना जिले के चित्रकूट में संपन्न हुई। संगोष्ठी में भारतरत्न नानाजी देशमुख की संकल्पना पर आधारित दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से पंच महाभूत की महिमा पर चित्रकूट क्षेत्र के 50 किलोमीटर परिधि के 500 गांवों में चल रहे प्रकल्पों से भू-जलस्तर बढ़ाने के लिए जलसंरचना, स्वावलंबन, दादी का बटुआ, अरोग्यधाम, उद्यमिता, सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, संग्रहण, गौपालन, जैविक खेती जैसे क्षेत्र में चल रहे संघर्षमुक्त और आत्मनिर्भरता के अभिनव प्रयोग को विश्व के लिए अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर संस्थान की कार्यशौली पर केन्द्रित एसडीजी इंटरवेंशन डॉट ओआरजी नाम की वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। इस बेबसाइट का उद्देश्य साझा ज्ञान से सतत विकास की ओर अग्रसर होना है। विकास के 108 लक्ष्यों को हासिल करने वाली इस बेवसाइट से अभी तक 2000 समस्याओं के हल साझा किये गये हैं। सम्मेलन में एग्पा के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने भारतरत्न नानाजी द्वारा अंत्योदय की अवधारणा को जीवन्त बताते हुए सतत लक्ष्य में मिलेनियम डेवलपमेंट गोल(एमडीजी) और मौजूदा परिप्रेक्ष्य में दृष्टिकोण परिवर्तन के सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल(एसडीजी) में हुए तीन महत्वपूर्ण अंतर को रेखांकित किया। चिंतक दत्तोपंत ठेंगड़ी के 'मार्डनाइजेशन विदाउट ग्लोबलाइजेशन' को उद्धत करते हुए श्री चतुर्वेदी ने गुणवत्तापूर्ण सेवा, पोषक अन्न की खेती, समावेशी मुद्राबैंक, स्वच्छ जलवायु पर्यावरण मित्र आधारित विकास पर बल दिया। राष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण एशिया में सतत विकास में सलंग्न डॉ. नित्या केमकर लंदन, डॉ. काकोली घोष रोम, एरिक सोलहेम पेरिस और भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट को-ऑर्डिनेटर शोम्बी शार्प ने सतत विकास पर अपना अनुभव साझा किया। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय राज्य नियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सोलंकी, दीनदयाल शोध संस्थान के सचिव अभय महाजन, उपाध्यक्ष इंजी उत्तम बनर्जी, निखिल मुंडले, कोषाध्यक्ष वसंत पंडित, सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. बी के जैन, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्र सहित केन्द्रीय व राज्य मंत्रिमंडल के अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि, गत पांच माह में सरकार द्वारा आर्थिक विकास दर वृद्धि को लेकर संपन्न तीन बड़े सम्मेलनों में जनभागीदारी की बजाय सरकारी तंत्रों की भूमिका को महत्व दिया गया। अभियानों को सतह पर मुखर करने वाले ऐसे कार्यक्रमों में नेताओं का बौद्धिक प्रसंग उनकी विलासितापूर्ण जीवनशैली को पोषित करने वाले असमानता, अहंकार, सदन में आचरण हिंसक प्रवृत्तियां, सरकारी धन के दुरूपयोग या ठिकाने, जासूसी अति टैक्स वसूली के बावजूद वीआईपी संस्कृति, धरना, प्रदर्शन, यात्रा, बाजार, गुमठी जैसे अवरोधकों से आम सड़क से लोगों को वंचित करने जैसी परस्पर विरोधी आचरण को दर्शाती है। आज किसी से छुपा नही है कि संस्कृति, कला, स्वयंसेवी संस्थाओं या कल्याणकारी गतिविधियों के नाम पर किस तरह सरकारी धन का दुरूपयोग किया जाता है। चुनाव जीतने की राजनीतिक दलों का अप्रत्याशित व लुभावने वादे से कर(टैक्स) की एक बड़ी राशि के दुरूपयोग से देश का सतत विकास प्रभावित होता है।

पिछले कुछ वर्षों से शोभायात्रा पर पथराव, धर्म संसद में भड़काऊ भाषण, हिजाब, हलाल जैसी घटनाओं से परस्पर सौहार्द्र संबंधों की संवेदनात्मक खाइयाँ बढ़ी हैं। इससे समाज में प्रतिशोध और भय का वातावरण बनता दिख रहा है। किसी भी देश की समेकित प्रगति का व्यवहारिक मूल आधार वहाँ के निवासियों के पारस्परिक सद्भाव, एकजुटता और सहकार्य की इच्छाशक्ति पर निर्भर करती है। शायद नानाजी देशमुख ने इससे दूरी बनाने के लिए ही चित्रकूट जैसे निर्जन स्थान को अपनी कर्मभूमि बनाई होगी। उनकी अनुपस्थिति में दीनदयाल के उदात्त विचार राजनीति के हस्तक्षेप में किस तरह पोषित होंगे, यह देखना शेष है?

जिद्द और जुंनून ने दिलाया मुकाम, जावरा की ब्यूटीशियन बबली गंभीर ने शहर का नाम किया रोशन

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। बबली गम्भीर को छोटे-छोटे से हाथ जरूर मालिक ने दिए मगर हौसला बुलन्द है। जब हौसला बना लिया ऊँची उड़ान का, फिर देखना फिजूल है कद आसमान का। रतलाम के जावरा में रहने वाली बबली गंभीर ने खुद की मेहनत से अपनी एक अलग पहचान बनाई और पूरी दुनिया को एक सिख दी। चाहे आप केसी ही परिस्थितियों में क्यों न हो लेकिन हार नही माननी चाहिए।

जावरा की बबली बनी लाखो महिलाओं की प्रेरणा स्त्रोत

बबली गम्भीर के दोनों हाथ बचपन से छोटे (कोहनी से भी छोटे) हैं। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और इंग्लिश लिटरेचर से एमएम करने के साथ ही ब्यूटीशियन में खुद को स्थापित किया है। उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार, वुमन भास्कर अवार्ड जैसे कई अवॉर्ड मिल चुके हैं। ब्यूटिशियन बबली गम्भीर को असाधारण प्रतिभा के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्ट सृजनशील वयस्क पुरस्कार-2013 से 3 दिसम्बर 2013 को सम्मानित किया गया। बबली गंभीर को यह पुरस्कार विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने प्रदान किया था। जयपुर के होटल उनियारा में नगर की ब्यूटीशियन जादुई हाथों वाली बबली गंभीर को नेशनल वुमन एक्सीलेंस अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया था। एक बार फिर जावरा की बेटी बबली गम्भीर ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए नेशनल स्टोरी चैम्पियनशिप प्रथम पुरस्कार से जीत कर दर्ज कराई। दिल्ली में 13 राज्यो की 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमे बबली प्रथम स्थान पर रही। आयोजन संस्था एमएस टॉक द्वारा नई दिल्ली के होटल रेडिसन ब्लू द्वारका नेशनल स्टोरी टेलिंग चेम्पियन शिप 2022 का आयोजन किया था जिसमे बबली प्रथम स्थान पर रही।

बबली गंभीर ने अपने संघर्ष की कहानी में हमें बताया कि, उनके दोनों हाथों में मात्र पांच उंगलियां होने से किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आज उनका खुद का ब्यूटी पार्लर है। लोग उन्हीं के हाथों से खुद को सुंदर दिखाना चाहते हैं।फिल्मी दुनिया की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के हाथों से भी सम्मानित हो चुकी है। गम्भीर ने कहा कि, माधुरी ने मुझे गले से लगाया ये मेरी जिन्दगी का सबसे खुशनुमा पल था। माधुरी की हंसी और चेहरा जितना खूबसूरत है वो अंदर से भी उतनी ही खूबसूरत हैं। उनके जैसी हस्ती के साथ खड़े हो कर सम्मानित होने गर्व की बात है।

पिता को दिया सफलता का श्रेय, पिता के एक दोस्त ने कहा था ये बोझ बनेगी जहर का इंजेक्शन दे दो

बबली गंभीर ने अपनी सफलता के लिए कहा कि, आज में जो कुछ भी हूं मैरे पिता की बदौलत हूं। क्योंकि पापा के एक दोस्त ने जब मैं पैदा हुई तो देखने के बाद कहा था बोझ बनेगी जहर का इंजेक्शन दे दो। लेकिन पापा ने मुझे आगे बढ़ना सिखाया, कभी मुझे कमजोर होने नही दिया और जो कुछ हूं पापा की वजहा से ओर मेने जीवन मे हर मुश्किल घड़ी का सामना किया। अपने आपको कभी कमजोर महसूस नही होने दिया। आगे बढ़ती गई ओर सफलता मिलती गई। आज भी आसमान छूने की तमन्ना रखती है। अपने हुनर से कई महिलाओं को आगे बढ़ना सिखाया ओर एक मिसाल कायम की है।

2 करोड़ 59 लाख के इंद्रपुरी बैराज का विधायक ने किया भूमिपूजन

किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर जारी रहेंगे प्रयास- डॉ. पांडेय

माही की गूंज, तलाम/पिपलौदा।

जल सरंक्षण के लिए विगत वर्षो से निरन्तर प्रयास किये जा रहे है जिसमे सफलता भी मिल रही है।जावरा विधानसभा क्षेत्र में चारो ओर से डेम और बैराज की स्वीकृति मिलने से सिंचाई का रकबा बढ़ा है। किसानों की समृद्धि के लिए प्रयास निरन्तर जारी रहेंगे। उक्त विचार विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय ने पिपलोदा विकासखण्ड में इंद्रपुरी बैराज के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश धाकड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह गुडरखेड़ा, सुखेड़ा मण्डल अध्यक्ष अमित पाठक, भाजपा जिला कार्यालय सह मंत्री बद्रीलाल शर्मा, धामेडी सरपंच संजय पाटिदार, काबुलखेड़ी सरपंच रघुवीर सिंह आंजना, जल संसाधन के कार्यपालन यंत्री प्रवीण कुमार खरत, एसडीओ हरीश कुमावत अतिथि के रूप में मंचासीन थे। कार्यक्रम में कार्यपालन यंत्री खरत ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 2 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत के इंद्रपुरी बैराज की स्वीकृति 2019 में हो गई थी किंतु कोविड के कारण कार्य प्रारंभ होने में तकनीकी कठिनाई आई। इस बैराज से 216 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। तीन ग्राम पंचायत धामेडी, काबुलखेड़ी व सुखेड़ा के किसानों को लिफ्ट इरिंगेशन से सिंचाई का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक डॉ. पांडेय ने आगे कहा कि, इस बैराज की आवश्यकता के लिए लम्बे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा मांग की जा रही थी इस बैराज के बनने से क्षेत्र में विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा। इस अवसर पर भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष प्रफुल्ल जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष मुकेश मोगरा, महामंत्री दिनेश पाटिदार, मण्डल उपाध्यक्ष कचरूलाल जाट, सांसद प्रतिनिधि संजय पूरी, नारायण धनगर, लोकेंद्र सिंह, मनमोहन सिंह, प्रवीण सिंह, हरिओम सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन अशोक गुजराती ने किया।

धामेडी व काबुलखेड़ी पंचायत ने किया विधायक का सम्मान

क्षेत्र को बैराज की बड़ी सौगात देने पर ग्राम पंचायत धामेडी के ग्रामीणों द्वारा विधायक को जामफल से तोला व साफा बांधकर सम्मान किया। सरपंच संजय पाटिदार, मण्डल महामंत्री दिनेश पाटीदार, भागीरथ पाटिदार, गोवर्धनदास बैरागी, दिलीप पाटिदार, ईश्वरलाल असावरा, राधेश्याम पाटिदार, अशोक मालवीय, पप्पूलाल माली, पवन पाटिदार, श्यामलाल मईड़ा, राहुल जायसवाल आदि ने विधायक का सम्मान किया। साथ ही ग्राम पंचायत काबुलखेड़ी के सरपंच रघुवीर सिंह आंजना, नन्दराम गायरी, प्रह्लाद आंजना, जगदीश आंजना, कमल आंजना व ग्रामीणों ने भी विधायक का स्वागत किया।

स्वास्थ्य मेले में 650 रोगियों को मिला निःशुल्क उपचार का लाभ

माही की गूंज, रतलाम/पिपलोदा

सकारात्मक विचारों से सकारात्मक कार्य और परिणाम मिलते हैं, इसके लिए हमें अपने खानपान, स्वच्छता और दिनचर्या को बेहतर बनाने की जरूरत है। क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की प्रक्रिया निरंतर है, इसमें 18 करोड़ की राशि से ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जा रहे हैं और तहसील स्तर पर संसाधनों को बढ़ाया जा रहा है।

उक्त बात विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय ने जिले के पिपलोदा में विकासखण्ड स्तरीय स्वास्थ्य मेले के शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स-रे मशीन स्थापित करने की घोषणा कर सभी नागरिकों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। स्वास्थ्य मेले में 650 रोगियों का निःशुल्क उपचार किया गया।

स्वास्थ्य मेले में सबसे पहले स्वयं का हेल्थ कार्ड बनवाकर प्रेरित करते हुए विधायक डॉ. पांडेय ने हेल्थ कार्ड के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए अनुविभागीय अधिकारी हिमांशु प्रजापति ने बताया कि, केन्द्र सरकार की योजना अंतर्गत प्रदेश सरकार के माध्यम से विभिन्न रोगों से मुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखण्ड स्तरीय स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हेल्थ कार्ड, आयुष्यमान कार्ड बनाने के साथ ही विभिन्न रोगों से पीड़ित नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इसमें एलोपैथी के साथ ही नैचुरोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेदिक तथा अन्य माध्यमों से जीवन को निरोग बनाने की प्रेरणा प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.प्रभाकर ननावरे ने स्वास्थ्य मेले में लगाए गए विभिन्न रोगों के जांच तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति में किए जा रहे उपचारों की जानकारी प्रदान की। अतिथियों का स्वागत खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेन्द्रसिंह गामड़, डॉ. दीपक शाह, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. प्रमोद प्रजापति, एपेडेमिस्ट डॉ. गौरव बोरीवाल, अनिल डुडवे, रामसिंह खराड़ी, कंवरलाल पाटीदार, सीबी चटप, सुखराम मीणा, विजय वारे आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय भट्ट ने किया तथा आभार अशोक पोरवाल ने माना।

पुलिस की कस्टडी में अस्पताल से फरार हुआ दुष्कर्म का आरोपी

माही की गूंज, मंदसौर।

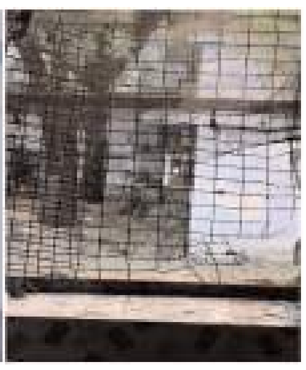

जिला अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर भागने वाला दुष्कर्म का आरोपित तीसरे दिन भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर ही हैं। चौराहों पर लगे सीसीटीवी के फुटेज में जरूर आरोपित मुक्तिधाम की पुलिया से सीतामऊ फाटक तरफजाते हुए दिखा है। पुलिस भी अब उसी दिशा में खोजने में जुटी है। मंगलवार शाम तक पुलिस ने आरोपित को खोजने के लिए कई जगहों पर दबिश भी दी है।

रविवार को वायडी नगर थाने के आरक्षक लक्ष्मण भाटी और मनीष मोंगिया दुष्कीर्म के मामले में आरोपित दिलीप नानबू भील निवासी खाता फालिया जिला अलीराजपुर को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लेकर आए थे। यहां दिलीप लघुशंका के बहाने दोनों जवानों को चकमा देकर शौचालय की खिड़की की जाली तोड़कर फरार हो गया था। इसके बाद से ही पुलिस टीम लगातार आरोपित दिलीप को खोजने में जुटी है। पुलिस ने उसकी तलाश में कई ठिकानों पर दबिशे भी दी है। चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच करने में आरोपित नजर आ गया हैं। वह मुक्तिधाम के पास स्थित शिवना पुलिया से सीतामऊ फाटक की तरफ जाते हुए दिखा है। पुलिस अब उसी दिशा में आरोपित को खोज रही है।

यह था मामला

मंदसौर की वायडी नगर थाना पुलिस ने अलीराजपुर जिले के जोबट में रहने वाले दिलीप नामक बलात्कारी को गिरफ्तार किया। आरोपी दिलीप को नियमानुसार मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। आरोपी दिलीप को मेडिकल कराकर वापस थाने लाने की जिम्मेदारी आरक्षक मनीष और लक्ष्मण को सौंपी गई। दोनों उसे लेकर अस्पताल पहुंचे. जैसे ही दिलीप अस्पताल पहुंचा उसने शौच करने का बहाना बनाया। उसके बहाने को हकीकत मानकर दोनों पुलिसकर्मियों ने उसे बाथरूम जाने दिया। जब वह 15 मिनट तक बाथरूम से बाहर नहीं आया तो पुलिसकर्मियों को शंका हुई। इसके बाद उन्होंने जब बाथरूम में झांक कर देखा तो उनके होश फाख्ता हो गए। आरोपी दिलीप खिड़की तोड़कर मौके से फरार हो चुका था। इस घटना की जानकारी वायरलेस और मोबाइल के जरिए पुलिस थाने और संबंधित अधिकारियों को दी गई। मंदसौर एसपी ने पूरे मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में मनीष और लक्ष्मण को निलंबित करते हुए लाइन हाजिर कर दिया है। दूसरी तरफ दिलीप के खिलाफपुलिस हिरासत से फरार होने का मुकदमा दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी। दुष्कर्म का आरोपी दिलीप छोटी सी खिड़की से कैसे पुलिसकर्मियों को चकमा देकर निकल गया? इस बात की जांच आला अधिकारियों द्वारा करवाई जा रही है। दूसरी तरफपुलिस ने नाकेबंदी करते हुए अलीराजपुर भी एक पुलिस दल भेजा है। आरोपित तीसरे दिन भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर ही हैं।

नारकोटिक्स विभाग कर रहा अफीम की खरीदी-मंदसौर, सीतामऊ और गरोठ में बनाए तौल केंद्र

माही की गूंज, मंदसौर।

3 विकासखंड में 13 अप्रैल से अफीम तोल की शुरुआत की थी। अफीम काश्तकारों की सुविधा के लिए मंदसौर में प्रथम और द्रितीय खंड बनाए गए जबकि तृतीय खंड सीतामऊ में बनाया है। एक केंद्र गरोठ में बनाया गया है। जिले के 14 हजार 968 किसान इन केंद्रों पर पहुंचकर अफीम सौंप रहे हैं। मंदसौर में बनाए प्रथम खंड के 152 गांवों के 4761 किसान अफीम विभाग को सोपेंगे मंगलवार तक 3212 किसानों ने 18 हजार 706 किलो 420 ग्राम अफीम विभाग को सौंपी। वहीं दूसरे खंड में करीब 5 हजार किसान हैं इनमें 2 हजार 570 किसानों ने अबतक 15 हजार 540 किलो अफीम सपने वाले किसानों को 2 करोड़ 37 लाख का भुगतान किया। वहीं सीतामऊ स्थित तीसरे खंड के 249 गांवो 3 हजार 928 किसानों ने 21 हजार 947 किलो 990 ग्राम ग्राम अफीम विभाग को सौंपी है। इसमें किसानों को 2 करोड़ 26 लाख रुपए का भुगतान किया। अफीम किसानों को 90 फीसदी भुगतान ऑनलाइन माध्यम से तुरंत किया जा रहा है। चीरा पद्दति से अफीम देनी वाले किसानों के बाद सीपीएस पद्दति के किसानों से डोडा खरीदी की जाएगी। हालांकि, सीपीएस पद्दति से खेती करने वाले किसान अब तक असमंजस की स्थिति में है। विभाग डोडा को कैसे और किस भाव में खरीदेगा इसकी विभाग को अभी अब तक जानकारी नहीं

संविधान में समानता का अधिकार लेकिन तलवार मजदूर की गर्दन पर क्यों... ?

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

समानता का चिंतन करते वक्त शासन भूल जाता है कि, एक ही कार्य प्रणाली के समकक्ष अपराधियों में भेदभाव हो रहा है। कॉन्ट्रैक्ट बेस पर लगे रोजगार सहायक जो पंचायत का सबसे छोटा कर्मचारी है। उसी को अपराधी मानकर कानून का डंडा चलाने का आदेश शासन दे देता है।

ऐसा ही एक मामला जिले के कालापीपल जनपद की ग्राम पंचायत बेरछा दातार का सामने आया है। जिसमे रोजगार सहायक द्वारा फर्जी निर्माण दिखाकर जनपद अधिकारियों ओर रोजगार सहायक द्वारा लाखों रुपये का गबन किया गया। जिस पर कलेक्टर के आदेश अनुसार रोजगार सहायक की मजदूरी समाप्त की गई। लेकिन जनपद अधिकारियों के विरुद्ध कोई वैधानिक कार्रवाई क्यों नहीं हुई...? निर्माण कार्य का भौतिक सत्यापन कर मूल्यांकन उपयंत्री और सहायक यंत्री ने किया उसके बाद ही राशि का आहरण हुआ है। ऐसी दशा में जिम्मेदारों को छोड़कर सिर्फ रोजगार सहायक पर ही कार्रवाई करना कही न कही जिला प्रशासन की इस दोहरी नीति से आमजन के मन मे कई प्रश्न खड़े हो रहे है। जिसमे अभ्यस्त अपराधी शासकीय सेवको को नहीं बनाया जाना कानून के विरुद्ध कार्रवाई है। क्योकि यह अनुशासित पद पर तैनात होते हुए शासकीय सेवा करते हैं। परंतु अनुशासित कर्मचारी अधिकारी जिनका कर्तव्य पद की गरिमा बनाए रखने से ज्यादा सत्यता इमानदारी न्याय सम्मत शासन के बनाए नियमों का पालन कराते हुए कर्तव्यों का निर्वाहन करना था। लेकिन ऐसा न कर स्वयं अपराध करने में शामिल होकर भ्रष्टाचार जैसे कार्यो में संलिप्त होकर कलंकित अपराध करते रहे एवं कराते रहे है। क्योंकि बिना जनपद अधिकारियों की सांठ-गांठ के लाखों का भ्रष्टाचार संभव नही। जबकि यह बड़े अभ्यस्त अपराधी है इनके सहयोग से जनता अपराधी बनती हैं। इनके विरुद्ध कार्रवाई न कर बुलडोजर ना चलाना दो भाषी चिंतन नीति का भेदभाव को दर्शाना मालूम होता है। क्योंकि स्वच्छ नीति का प्रदेश कहलाने की गरिमा कायम रखने में समान रूप से चिंतन हो। भेदभाव मिटाया जाए। अपना पराया न समझा जाए। प्रदेश हित एवं राष्ट्र हित में यह सोच सर्वोपरि है। इसका आगे परिणाम क्या निकलेगा ध्यान में रखना होगा।

डोडाचूरा की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

गरोठ पुलिस ने 11 क्विंटल 41 किलो डोडाचूरा की जब्ती के मामले में गिरफ्तार आरोपितों को भानपुरा तहसील में पेश किया। वहां से उन्हें दो दिन की रिमांड पर सौंपा है। पुलिस को मामले में आरोपितों को डोडाचूरा उपलब्ध कराने वाले जीतमल पाटीदार व लेने वाले श्यामलाल धाकड़ सहित चार आरोपितों की तलाश है।

गरोठ टीआई भुवानसिंह गौरे ने बताया कि, सोमवार को मोलाखेड़ी खुर्द में नदी किनारे 11 क्विंटल 41 किलो डोडाचूरा से भरे ट्रैक्टर एमपी 14 एबी 0484 व ट्राली को जब्त किया था। पुलिस ने मौके से आरोपित चालक 33 वर्षीय मोहन प्यारेलाल मेघवाल निवासी ग्राम देथलीखुर्द व साथी 35 वर्षीय रमेशसिंह सज्जनसिंह चारण निवासी ग्राम मोरड़ी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपितों ने मोरड़ी के जीतमल पाटीदार से डोडाचूरा लाना और देथली खुर्द में श्यामलाल धाकड़ को देने जाना बताया था। पुलिस ने मामले में आरोपित मोहन, रमेश, जीतमल पाटीदार मोरड़ी व देथली खुर्द के प्रकाश बाबुलाल धाकड़, श्यामलाल नारायण धाकड़ और महेश भंवरलाल धाकड़ के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस को इस मामले में सभी आरोपितों की तलाश है।

खड़े ट्रक से टकराया पिकअप वाहन, चालक मौके से फरार

चार गंभीर रूप से घायल, डायल 100 की मदद से पहुंचे अस्पताल

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के सलसलाई पुलिस थाने के एक किलोमीटर दूर एसआर पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक को पिकअप वाहन एमपी 42 जी 4168 ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे ट्रक चालक एवं 3 मैकेनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि, खरीदी केंद्र से गेहूं भरकर ट्रक शुजालपुर की ओर जा रहा था। वही एसआर पेट्रोल पंप के पास ट्रक में खराबी आ जाने की वजह से ड्राइवर एवं तीन अन्य मैकेनिक पीछे ट्रक के काम कर रहे थे, तभी तेज गति में आई पिकअप ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिसमे ट्रक में काम कर रहे ड्राइवर सहित तीन अन्य मैकेनिक भी चपेट में आ गए। जहां राहगीरों ने ट्रक में दबे मैकेनिक और ड्राइवर को निकाला साथ ही पिक अप वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सलसलाई पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर विएस देवड़ा मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचा कर जांच शुरू की।

भोपाल से खरगोन पहुँचे उच्च अधिकारी, स्थल निरीक्षण के बाद की दोनों पक्षों के साथ बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विपिन माहेश्वरी ने मंगलवार को खरगोन के हालातों का जायजा लिया। भोपाल से आए दोनों अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का सबसे पहले स्थल निरीक्षण किया। इसकी शुरुआत औरंगपुरा से तालाब चौक और फिर संजय नगर से छोटी मोहन टॉकीज और तालाब चौक के बाद नवीन कलेक्टर परिसर पहुँचे। तालाब चौक में दोनों अधिकारियों ने हालात समझने की कोशिश की। तालाब चौक में इंदौर संभागायुक्त डॉ. पवन शर्मा ने पूरे हालात के बारे में बताया। इसके पश्चात काफिला संजय नगर की ओर निकला। संजय नगर में ईशाद कल्लू व फिरोज कल्लू, आंगनवाड़ी कार्यकता आशा पंवार, जगदीश जायसवाल, महेश पेमा जी कुल्मी, पन्नालाल रणछोड़, अकीला, ईशाद कल्लू व फिरोज कल्लू से मिले।। एसीएस डॉ. राजौरा और एडीजी श्री माहेश्वरी ने घरों के भीतर जाकर बरामदे किचन और हॉल की हालात देखें। इसके पश्चात भाटवाड़ी और सराफा बाजार की

स्थितियों का अवलोकन किया। भाटवाडी में योगेश कानूनगों, राजेन्द्र पंढरीनाथ, कैलाश कृष्णलाल, महेश धन्नालाल महाजन, के घरों में जाकर भी चर्चा की। दोनों ही अधिकारियों ने नागरिको से चर्चा में नुकसानी के साथ-साथ उनके रोजगार आदि कार्यों के बारे में विस्तार से जाना। इस दौरान इंदौर संभागायुक्त डॉ. शर्मा, आईजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी. एसपी रोहित काशवानी सहित अपर कलेक्टर श्री एसएस मुजाल्दा, एसडीएम मिलिंद ढोके व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दोनों पक्षों के साथ की अलग-अलग बैठक

स्थल निरीक्षण करने के बाद दोनों ही अधिकारियों ने नवीन कलेक्टर परिसर स्थित सभागृह में अलग-अलग समय पर दोनों पक्षो के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उपगुस्थितों को बारी बारी सुना गया। दोनों ही पक्षों ने दंगाइयों पर कठोर कार्यवाही करने की बात रखी। साथ ही शांति का भी प्रस्ताव दोनों ही पक्षों ने रखा।

बैठक समापन पर एसीएस डॉ. राजौरा ने कहा कि, सब लोगों को साथ रहना है। शांति के वातावरण का निर्माण करें। कार्यवाही में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। आप लोगों ने जो जो बिंदु बताए उनकी डिटेल नोट कर ली गई है। बैठक के दौरान पूर्व कृषि राज्य मंत्री बालकृष्ण पाटीदार, विधायक श्री रवि जोशी, पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, मनोज रघुवंशी, रंजीत डंडीर, राजेन्द्र राठौड़, परसराम चौहान, कल्याण अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, ओमप्रकाश पाटीदार, श्याम महाजन, शालिनी रातोरिया, प्रकाश रत्नपारखी, मोहन जायसवाल और दूसरे पक्ष के साथ हुए बैठक में सदर अल्ताफआजाद, सचिव इस्माइल पठान, सदस्य फारूक टाटा, पूर्व सदर हनीफखान, इमरान खान, जमियत उलमा हिन्द के अध्यक्ष हाफिज चांद एवं बोहरा समाज के अध्यक्ष सैफुद्दीन बोहरा उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

रक्तदान कर जीवन बचाने में मिलता है सुख आज हम सभी अपने लिए जीवन जी रहे हैं। जीवन जीने का महत्व तो तब है, जब हम दूसरों के लिए कुछ करें। इसका सीधा व सरल माध्यम रक्तदान है। उससे हम दूसरे का जीवन बचा सकते हैं। रक्तदान ही महादान, दूसरों का जीवन बचाने में सुख मिलता है। यह बात बुधवार को जिला अस्पताल आलीराजपुर में शहीद चंद्रशेखर आज़ाद रक्तदान समिति के जिला अध्यक्ष गोविन्द भयड़िया ने 13 वी बार रक्तदान करते समय कहा। इन्होंने मानकिया पिता खजानिया निवासी फूलमाल को रक्त दान किया तथा उन्होंने कहाकि रक्तदान का महत्व हमें उस वक्त समझ आता है, जब हमारा कोई अपना प्रियजन अस्पताल में रक्त के लिए जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। हम परेशान होते हैं कि, काश कोई व्यक्ति हमारे अपने की जिंदगी के लिए रक्त दे दे और उसे बचा ले। जब रक्तदान का इतना अधिक महत्व है और हमें इसका कोई नुकसान भी नहीं होता तो क्यों न हम भी नियमित रूप से रक्तदान करें। इस अवसर पर क्यों न प्रण लें कि अब हम भी रक्तदान करेंगे। जाहिर है आपके द्वारा किया गया रक्तदान सबसे बड़ा दान माना जाता है, क्योंकि इससे आप किसी दूसरे व्यक्ति की जिंदगी बचा सकते हैं। कई बार तो वह रक्तदान आपके किसी अपने के भी काम आ जाता है।

एक्शन में कलेक्टर कुमार पुरषोत्तम, राजस्व रिकॉर्ड में हेरा-फेरी करने वाले होंगे बर्खास्त

माही की गूंज, रतलाम।

बुधवार को कलेक्टर पुरुषोत्तम द्वारा जिले के समस्त विकासखंडों में पहुंचकर स्थानीय अमले के साथ बैठक लेने का सिलसिला लगातार जारी है। कलेक्टर

विकासखंड मुख्यालय पर पहुंचकर खंड स्तरीय अमले के कार्यों की समीक्षा करते हैं। योजनाओं कार्यक्रमों की प्रगति का जायजा लेते हैं। इस सिलसिले में कलेक्टर बुधवार को जिले के आलोट पहुंचे, वहां सभी खंड स्तरीय अमले के साथ बैठक आयोजित कर योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की, प्रगति का जायजा लिया। सीईओ जिला पंचायत जमुना भिड़े, एसडीएम मनीषा वास्कले, जिला स्तरीय अधिकारी तथा पटवारी एवं पंचायतों के सचिव उपस्थित थे।

इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि, आलोट से राजस्व रिकॉर्ड में हेरा-फेरी की शिकायतें मिली हैं, इसमें जो भी व्यक्ति लिप्त पाया जाएगा उसको बर्खास्त किया जाएगा। एसडीएम टीम गठित करें जो आलोट तथा ताल के तहसील कार्यालयों में राजस्व रिकॉर्ड की जांच करेगी। कलेक्टर ने कहा कि राशन में गड़बड़ी से संबंधित सर्वाधिक शिकायतें जिले में आलोट क्षेत्र से आती हैं। कलेक्टर द्वारा आलोट क्षेत्र के आपूर्ति अधिकारी के विरुद्ध सख्त नाराजगी व्यक्त की गई। इसी प्रकार आलोट क्षेत्र में अवैध खनिज उत्खनन परिवहन के संबंध में कलेक्टर द्वारा सख्त नाराजगी प्रकट की गई एवं की जा रही कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त किया गया। कलेक्टर कुमार पुरषोत्तम द्वारा लगातार सभी विभागों के अधिकारियो पर शिकंजा कसा जा रहा है जिससे आम जनता का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है।

जनता को साम्प्रदायिक ताकतों की लड़ाने वाली नीतियों को समझकर सचेत रहना होगा- हार्दिक पटेल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

भाजपा सरकार देश मे बढती हुई महंगाई व बेरोजगारी, चरमराती हुई अर्थव्यवस्था से आमजनता का ध्यान भटकाने के लिए नित-नए ड्रामेबाजी कर जनता को गुमराह कर रही है। आज देशभर मे साम्प्रदायिक ताकतें सामाजिक सौहार्द और भाईचारा खत्म कर नफरत फैलाने मे लगी हुई है। देश की जनता को साम्प्रदायिक ताकतों की लड़ाने वाली नीतियों को समझकर सचेत रहना होगा। अपराधी का कोई धर्म या जात-पात नहीं होती है, अपराध देष से मुक्त होना चाहिए, बुलडोजर कार्यवाही मे पक्षपात और भेदभाव नहीं होना चाहिए। उक्त बाते गुजरात के तेज तर्राट युवा नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने स्थानीय पटेल कृषि फार्म हॉउस पर अपने सम्मान कार्यक्रम मे कहि। इस अवसर पर बडी संख्या मे कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता मोजुद थे।

गुजरात ओर म.प्र. का दिल से रिश्ता

ज्ञात रहे कि, गुजरात के युवा नेता हार्दिक पटेल बुधवार को कुक्षी जिला धार सामाजिक कार्यक्रम मे जाते समय अपने अल्प समय के लिए अलीराजपुर पहुंचे थे। इस दौरान हार्दिक

पटेल का स्थानीय पटेल फार्म हॉउस पर अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, जिला कांग्रेस कमेटी पूर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल, जिला कांग्रेस प्रभारी अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर आदि नेताओं ने फूल माला पहनाकर और आदिवासी संस्कृति प्रतिक चिन्ह तीर-कमान भेटकर एवं जाकेट पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हार्दिक पटेल ने अपने सम्मान को लेकर नेताओं और कार्यकर्ताओ का आभार माना।

श्री पटेल ने कहा कि, गुजरात ओर मप्र की दिल से रिष्ता है, हमारे राज्य मे मप्र के हजारो आदिवासी भाई मजदुरी के लिए आते है। यहां का अदिवासी वर्ग जल-जंगल ओर जमीन बचाने के लिए बहुत मेहनतकष है। उनकी वजह से आज हमारा गुजरात राज्य हरा भरा होकर चमन दिखाई दे रहा है। उन्होने कहा कि, केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों से देष की आर्थिक व्यवस्थाएं चरमरा गई है। देश मे भय ओर नफरत का माहौल निर्मित किया जा रहा है। पटेल ने देश की जनता से साम्प्रदायिक ताकतो से सचेत रहने की अपील की। हार्दिक पटेल ने मप्र मे चल रहे बुलडोजर कार्यवाही को लेकर कहा की सभी जगह से अपराध खत्म होना चाहिए, अपराध देश-प्रदेश से मुक्त होना चाहिए। अपराधी की कोई धर्म या जात नहीं होती है। अपराधी किसी भी धर्म या जात का हो या महिला संबधी अपराध हो उस पर निष्पक्षता से कार्यवाही होनी चाहिए। बुलडोजर कार्यवाही मे पक्षपात और भेदभाव नहीं होना चाहिए। किसी वर्ग विशेष को टारगेट करना न्याय पूर्ण नहीं है। कार्यक्रम को विधायक पटेल एवं पुर्व जिलाध्यक्ष पटेल सहित आदि नेताओ ने संबोधित कर हार्दिक पटेल का अलीराजपुर आने का अनुरोध स्वीकार करने पर आभार जताया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता सरदार अजनार, लईक भाई, खुर्षिद अली दिवान, सानी मकरानी, पुष्पराज पटेल, जहिर मुगल, तरुण मंडलोई, चितल पंवार, सुनिल खेडे, सोनु वर्मा, सर्वेस सिसोदिया, आषिष पारिया, राजेंद्र पाटिदार, हिरा मंडलोई, ईरफान मंसुरी, रवि तंवर सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिले में हुआ नवाचार का सुखद परिणाम प्राप्त-केन्द्रीय मंत्री कुलस्ते

माही की गूंज, बड़वानी।

केन्द्रीय राज्य मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते ने बुधवार को बड़वानी पहुंचकर केन्द्र सरकार की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होने आकांक्षी जिले बड़वानी में हुए नवाचारों का सुखद परिणाम प्राप्त होने पर जिला प्रशासन की टीम को बधाई देते हुए इसी प्रकार आगे की भी रणनीति बनाकर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। बैठक में प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी सहित समस्त विभागों के जिला अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने केन्द्र सरकार के आकांक्षी जिले में चयनित बड़वानी जिले में संचालित प्राथमिकता के बिन्दु अटल पेंशन योजना, आयुष भारत हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, आयुष्मान भारत, पीएम जन आरोग्य योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, वन नेशन वन राशनकार्ड, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, भारतीय जन औषधि परियोजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, स्वाईल हेल्थ कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन, एकलव्य आवासीय विद्यालय आदि की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक के दौरान प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने भी केन्द्रीय मंत्री से जिले के दुर्गम क्षेत्रों में पक्के पहुंच मार्ग न होने से आने वाली समस्या का उल्लेख करते हुए आकांक्षी जिलों को प्रधानमंत्री सड़क योजना में विशेष छूट के साथ-साथ पर्याप्त बजट आवंटित करने की बात कही। जिससे प्रधानमंत्री सड़क और मनरेगा के तहत इन कार्यो की ओर बेहतर तरीके एवं तीव्रता से किया जा सके।

इस पर केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने प्रधानमंत्री सड़क योजना के प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि, प्रधानमंत्री सड़क योजना के बीच में आने वाले बड़े पुलो और पहुंच विहीन ग्रामों में सड़क का प्रस्ताव बनाकर भेजे। जिससे उच्च स्तर पर इसे प्रस्तुत कर, विशेष प्रावधान का प्रयास किया जा सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने केन्द्रीय मंत्री को जिले में प्रारंभ नवाचार ''मिशन उम्मीद'', मिशन बाल शक्ति, खिलौना बैंक से आये सुखद परिणाम के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही इन नवाचार के लिए जिले को मिले ''स्काच अवार्ड ऑफमेरिट'' अवार्ड से सम्मानित होने की जानकारी दी। जिस पर केन्द्रीय मंत्री ने जिले के इन नवाचारों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में आयोजित मिशन की दीदीयों का सम्मेलन कर उन्हे प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताते हुए इसकी कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिये। बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत लाभान्वित लोगों के आवास सही तरीके से बन जाये। इसकी सतत् समीक्षा करने और जिन लोगों ने अभी अपना आवास कार्य प्रारंभ नही किया है उनसे शीघ्र प्रारंभ करवाने के निर्देश भी दिये।

पुलिस ने सट्टा खिलाते हुए एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, बड़वानी।

पुलिस ने सिलावद थाना क्षेत्र के गोई नदी के पास कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को सट्टा खेलाते हुए गिरफ्तार किया है। साथ ही मौके से 2 हजार 110 रुपये नगद एवं सट्टा उपकरण भी जप्त कर दोषियों पर सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला से प्राप्त जानकारी अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम के पदाधिकारियों ने सिलावद के गोई नदी के पास छापा मारकर मौके से सट्टा का संचालन करने वाले काजरिया पिता घुसाई को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने इस कार्यवाही के दौरान सट्टा उपकरण एवं 2 हजार 110 रुपये नगद जप्त किये है। इस कार्यवाही के दौरान आरोपी के विरूद्ध धारा 4 (क) सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इस कार्यवाही में सिलावद थाना प्रभारी विजय रावत, सहायक उप निरीक्षक एमए शेख, प्रधान आरक्षक विनोद नरगांवे का सराहनीय योगदान

पुलिस ने 4 घंटे में किया अंधे कत्ल का पर्दाफाश

माही की गूंज, बड़वानी।

राजपुर थाना के पुलिस पदाधिकारियों ने ग्राम दानोद में मृतक सुरेश भिलाला के अंधे कत्ल का 4 घंटे में ही पर्दाफाश करने में सफलता प्राप्त की है। एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में टीआई राजेश यादव, सऊनि प्रताप जाधव, प्रधान आर अनिल सोलंकी, हेमराज राणे, महिला आर ललीता, अंजली, आर गेंदालाल, बलदेव, संजय की टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने वैज्ञानिक तकनीकी एवं मनोवैज्ञानिक रूप से अनुसंधान करते हुए अंधे कत्ल का पर्दा फाश किया है।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला से प्राप्त जानकारी अनुसार 19 अप्रैल को राजपुर थाने पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम दानोद में सुरेश भिलाला अपने घर में मृत अवस्था में पड़ा हुआ पाया गया है। सूचना मिलने पर टीआई राजेश यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल एवं मृत शरीर का निरीक्षण किया। टीआई ने अपनी टीम के साथ घटनास्थल का बहुत ही बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने देखा कि घटनास्थल पर खून पड़ा था एवं उसके निशान गोबर से लिपे हुए 8 से 10 घंटे पूर्व के दिखाई दे रहे थे। इससे उन्हे ज्ञात हुआ कि मृतक को रात में ही किसी व्यक्ति ने मार डाला था, जबकि उसकी पत्नि का कहना था कि वे और बच्चे रात को खाना खाकर सो गये थे, और सुबह 4 बजे जब मजदूरी के लिए चली गई थी, उन्हे तो गांव के किसी व्यक्ति ने बताया कि उनका पति मर गया है, तब वे मजदूरी से घर आई। जांच के दौरान आई साक्ष्यों के आधार पर पुलिस की शक की सुई उसकी पत्नी की तरफ घूमी। गोबर से लिपने के बारे में पुछताछ करने पर मृतक की पत्नि ने कहा है मुझे नहीं पता। महिला आरक्षक ललीता के द्वारा बारीकी से देखा गया तो उसकी पत्नि के कपड़ो पर खून लगा होना पाया गया। जब पत्नी से खून लगने के संबंध पूछा गया तो वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाई एवं पुलिस को गुमराह करती रही। और अंततः मनोवैज्ञानिक, वैज्ञानिक, आधार पर पूछताछ करने पर मृतक की पत्नि पुलिस के सवालों में उलझ गई एवं अंततः उसने स्वीकार किया कि रात में पति शराब ज्यादा पिए हुआ था, गाली गलौज कर रहा था इसलिए गुस्से में आकर मैंने दाराते से उसके सिर में वार किए थे जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना छुपाने के लिए उसने खून को गोबर से लिप दिया था एवं सुबह सुबह जल्दी मजदूरी के लिए निकल गई थी ताकि कोई उस पर शक नही कर सके। पुलिस ने पत्नी से पूछताछ कर घटना में प्रयुक्त दराता एवं खून लगे कपड़े भी जब्त किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जाएगा।

भाभी की हत्या करने वाले आरोपी देवर को आजीवन कारावास

माही की गूंज, बड़वानी। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश बडवानी कैलाश प्रसाद मरकाम द्वारा पारित अपने निर्णय में भाभी की हत्या करने वाले आरोपी हकन पिता भायला निवासी खोदराडिया फल्या ठेन्चा को धारा 302 भादवि मे आजीवन कारावास एवं एक हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 323 भादवि मे 02 माह का कारावास एवं 200 जुर्माने से दंडित किया। अभियोजन की ओर से प्रकरण में पैरवी महेश पटेल जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला बड़वानी द्वारा की गई।

अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चैहान ने बताया कि, 25 जुलाई 2020 को सुबह फरियादिया श्रीमती नुराबाई पति सयाराम और उसकी सास चेटलीबाई दोनो धमारिया खोदरा नाले में लकड़िया बिनने गयी थी। तभी वही पर थोडी दूरी पर नाले किनारे ही मृतिका चेटलीबाई का देवर आरोपी हकन पिता भायला बैठा था। उसके हाथ में फावडा था, उसने जैसे ही दोनो को देखा तो वह उनकी तरफ फावडा लेकर दौड़ा। दोनो उसे देखकर भागने लगे तो आरोपी ने फावड़ा फेंककर मारा तो नूराबाई की कमर में लगा, आरोपी ने उसकी सास को पकड़ लिया और वही से फावडा उठाकर उसकी सास (मृतिका चेटलीबाई) के सिर में मार दिया । आरोपी घर व खेत को लेकर रंजीश रखते हुए वह चाहता था कि वे लोग गांव छोड़कर चले जाये। इसी कारण मौका पाकर आरोपी ने फरियादिया व उसकी सास को जान से मारने की नीयत से हमला किया । जिससे फरियादिया को कमर में चोट लगी और उसकी सास को सिर में फावडा मारा जिससे उसकी सास की मौके पर ही मृत्यु हो गई । फरियादिया की रिपोर्ट पर से मामला थाना सिलावद पर धारा 323, 302 भादवि का पाया जाने से अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया । विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की विवेचना उप पुलिस अधीक्षक रविन्द्र सिंह राठी द्वारा की गई। प्रकरण की लगातार मॉनिटरिंग पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला एवं जिला अभियोजन अधिकारी महेश पटेल द्वारा की जा रही थी।

प्राणाकर्षण प्राणायाम पर चर्चा एवं प्रशिक्षण का प्रारंभ

माही की गूंज, बड़वानी।

प्राणाकर्षण प्राणायाम न केवल प्राणायाम है, अपितु यह ध्यान भी है। यह सरलता से सीखा जा सकता है और अभ्यास में लाया जा सकता है। इसके अनेक लाभ है। इससे मन के विकार समाप्त होते हैं। प्रतिभा, स्मरणशक्ति, प्रखरता, सद्गुणों और सामर्थ्य में वृद्धि होती है। शरीर स्वस्थ होता है। सक्रियता एवं कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। ये बातें प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के नेतृत्व में संचालित हो रहे शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ द्वारा 'प्राणाकर्षण प्राणायाम-विधि एवं लाभ' विषय पर आयोजित परिचर्चा में कॅरियर काउंसलर एवं आयुष मंत्रालय से सर्टिफाइड योग वालंटियर डॉ. मधुसूदन चौबे ने कहीं। कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया ने बताया कि आज इस उपयोगी प्राणायाम की सैद्धांतिक जानकारी देने के साथ ही इसकी प्रक्रिया के बारे में बताया। आगामी दिनों में विद्यार्थी इसे सीखकर अपने घर पर नियमानुसार योगा-मेट पर इसका अभ्यास करेंगे और इससे लाभान्वित होंगे। यह प्राणायाम सुखासन या किसी अन्य सुविधाजनक आसन में किया जा सकता है। इसमें योग साधक को दोनों नासिका छिद्रों से सांस लेना और सांस छोड़ना होता है। साथ ही आंतरिक एवं बाह्य कुंभक भी लगाना होता है। प्राणायाम के साथ ही इष्टदेवता, दिव्य शक्तियों, सद्गुणों आदि का ध्यान करते हुए भावना एवं संकल्प का समावेश किया जाता है। आयोजन में सहयोग किरण वर्मा, राहुल मालवीया, अंकित काग, दीक्षा चौहान, कोमल सोनगड़े, वर्षा मालवीया, राहुल भंडोले, राहुल सेन, उमा फूलमाली, वर्षा मुजाल्दे, साक्षी परमार, दिव्या पाटिल, स्वाति यादव, तेहरीन खान ने किया।

कर्फ्यू में पुलिस जवान ने निभाया बेटे का फर्ज

माही की गूंज, खरगोन।

उज्जैन 32वीं बटालियन के जवान राकेश विश्वकर्मा ने कर्फ्यू के दौरान एक बेटे की तरह फर्ज निभाया है। राकेश कर्मवीर की तरह हर बार अपने कर्म से ऐसा कर जाते है कि, जो सबको जिंदगी का पाठ सिखाता है। वर्ष 2015 में जब खरगोन शहर में कर्फ्यू के हालात थे तब भी राकेश ने जलते घर से सिलेंडर निकाल कर अपनी सूक्षबूझ का परिचय देते हुए करीब 20 सिलेंडरों को फटने से बचाया था।

एसटीएफ के इस जवान की तारीफ में फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने उस समय कशीदे पढ़ें और 25 हजार रूपये भी पुरस्कार स्वरूप दी है।

वर्ष 2022 में जब रामनवमी के दौरान हुए घटनाक्रम में राकेश की ड्यूटी लगी है। इस बार उनकी ड्यूटी आनंदनगर क्षेत्र में है। यहां रविवार को तपती दोपहरी में दो दिनों से भूखी 75 वर्षीय भुवानी माँ जो अपने घर का पता भूल चुकी है। एसटीएफके जवानों की नजर अस्पताल से आ रही माता पर पड़ी। माता के पास जाकर छांव में बिठाकर पानी पिलाया फिर स्वयं का भोजन का पैकेट खोलकर खाना परोसा। खाना खिलाने के बाद माता को उनके घर भी पहुंचाया। जब राकेश माता के लिए लंच का पैकेट खोल रहे थे तो उनके साथी संदीप शर्मा ने वीडियो बनाया और अपने दोस्तों में शेयर कर दिया। मानवता की सच्ची मिसाल पेश करता यह वीडियो वायरल हो गया।

रेलवे अजब है सबसे गजब है...

पानी पर रेलवे की पाबंदी, हैंडपम्प पर लगाया ताला बना चर्चा का विषय, लोग कर रहे निंदा

माही की गूंज, रतलाम।

भरी गर्मी में चारो और लोग जल सेवा कर पुण्य कमाने में लगे हुवे है हर कोई अपने स्तर से जल सेवा कर रहा है। वही अजब-गजब रेलवे जल स्त्रोत पर तालाबंदी कर लोगो को पानी के लिए परेशान कर रहा है। मामला पश्चिम रेलवे जोन के अंतर्गत रतलाम रेल मंडल में पानी पर ताला लगा दिया गया। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

बताया जा रहा है, रेलवे क्षेत्र में लगे हेण्डपम्प की तस्वीरे वाइरल होने के बाद सोशल मीडिया से फेसबुक से लेकर ट्वीट पर यह मामला ट्रैंड कर गया है। यहां तक की मंडल के डीआरएम विनीत गुप्ता के वाट्सएप नंबर पर भी लोगों ने सवाल कर लिए है।

रेलवे ने लगाई पानी पर पाबंदी

रतलाम में लोग इन दिनों भारतीय रेल की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करने लगे है। इसकी एक बड़ी वजह रेलवे के बड़े अधिकारियों का एक अजीब आदेश है, जिसके चलते पानी पर ताला लगा दिया गया है। कोई हेडपंप से पानी न पी ले, इसके लिए उसमें ताला लगा दिया गया है। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसे देखकर भारतीय रेल लोगों के निशाने पर है। मामला रेलवे के रतलाम रेल मंडल का है।

यहां का है पूरा मामला

वायरल हो रही यह तस्वीर रतलाम रेल मंडल के अंतर्गत प्रीतमनगर रेलवे स्टेशन के करीब की है। यहां एक रेलवे का फाटक है, रेलवे फाटक पर लगा हेडपंप भारतीय रेलवे का है। रेलवे के अधिकारियों के निर्देश पर इसमें ताला लगा दिया गया है। फाटक कर्मचारी ने बताया कि केवल यही नहीं, रतलाम से लेकर डॉ. अंबेडकर नगर रेलवे स्टेशन तक जितने भी रेलवे के हैंडपंप हैं, उन सभी पर ताला लगा दिया गया है।

अब नहीं पी सकते यहां पानी

आमजन के मुताबिक ट्रेन के आने-जाने के दौरान रेलवे फाटक दिन भर खुलता और बंद रहता है। कई बार यहां से निकलने वाले लोगों को आधे घंटे तक भी रुकना पड़ता है। लू भरी गर्मी में लोग प्यास से परेशान होते है। उनके सामने हेडपंप होता है, लेकिन ताला लगा होने के कारण वे उसमें से पानी नहीं पी सकते। यहां से गुजरने वालो ने इस तस्वीर को कैमरे में कैद कर वाइरल कर दिया । जहां पर यह हेडपंप है, वही पर करीब में मजदूरों का रहना है, उनके अनुसार अब ताला लगाने के बाद उनको काफी दूर से पानी लाना पड़ता है वही हेण्डपम्प के आसपास से गुजरने वाले भी ताला लगा देख कर निराश हो कर लौट जाते है रेलवे के इस कृत्य के कारण निंदा का शिकार होना पड़ रहा है।

(अलीराजपुर)

(सोंडवा)

विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में आमजन ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन हुए। अलीराजपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में एक हजार 282 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं का वितरण किया गया। विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में बडी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य मेले का लाभ लिया। स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, विधायक जोबट श्रीमती सुलोचना रावत, रेडक्रॉस प्रदेश समिति सदस्य किशोर शाह, नगर पालिका अलीराजपुर अध्यक्ष रितेश डावर ने मां सरस्वती के चित्र का पूजन दीप प्रज्जवलन पुष्पमाला अर्पित करके किया।

कायर्क्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चौहान ने कहा, केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा उक्त स्वास्थ्य मेलों के माध्यम से ग्रामीणजन एवं आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देय से उक्त स्वास्थ्य मेले आयोजित किए जा रहे है। स्वास्थ्य मेले में ग्रामीणों को कई सारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ एक स्थान पर मिल रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से उक्त स्वास्थ्य मेलों का लाभ लेने की अपील की। साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि, किसी भी तरह की बिमारी की संभावना अथवा स्वास्थ्य संबंधित समस्या महसूस होने पर तत्काल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले। उन्होंने आह्वान किया कि, सिकलसेल एनीमिया की जांच कराए। डिजीटल हैल्थ कार्ड जरूर बनवाएं।

कायर्क्रम को संबोधित करते हुए विधायक जोबट श्रीमती रावत ने कहा, कोविड में स्वास्थ्य कमिर्यो और मैदानी अमले ने जो सेवाएं दी वह प्रांसनीय है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य मेलों के माध्यम से ग्रामीणों को एक स्थान पर कई बिमारियों की जांचए इलाज और दवाओं की उपलब्धता होगी। अधिक से अधिक जिलेवासी उक्त स्वास्थ्य मेलों का लाभ लें। स्वास्थ्य मेले को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में विकासखंड एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले की रूपरेखा, उद्देशय पर प्रकाश डालते हुए उक्त स्वास्थ्य मेलों का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील आमजन से की। सिकलसेल जांच और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूर ले। स्वास्थ्य मेले में आयुष्मान भारत योजना कार्डए डिजीटल हैल्ड कार्ड जरूर बनवाएं।

स्वास्थ्य मेले को रेडक्रास प्रदेश समिति सदस्य किशोर शाह ने संबोधित करते हुए कहा कि, उक्त स्वास्थ्य मेले ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से पहुंचाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा, केन्द्र और राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।अलीराजपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में एक हजार 282 का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवयक स्वास्थ्य सेवाएं एवं दवाओं का वितरण किया गया। स्वास्य मेले में सीएमएचओ डॉ. प्रकाश ढोके, डीपीएम श्रीमती प्रिती राठौर, बीएमओ डॉ. जयदीप जमींदार सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी-कमर्चारीगण उपस्थित थे। स्वास्थ्य मेले में विभिन्न चिकित्सकों ने विभिन्न बिमारियों के लक्षण, बचाव के उपाय, इलाज और शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वागत उदबोधन सिविल सजर्न डॉ. केसी गुप्ता ने, संचालन डॉ. प्रमेय रेवडिया ने एवं आभार डीआईओ डॉ. एलडी फूंकवाल ने माना। मेले में साथिया वालेन्टीयस स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग स्टॉफने सहयोग प्रदान किया।

सोडवा में भी हुआ स्वास्थ्य मेले का आयोजन

सोंडवा में आयोजित विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में एक हजार 42 का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवयक स्वास्थ्य सेवाएं एवं दवाओं का वितरण किया गया। स्वास्य मेले में सीएमएचओ डॉ. प्रकाश ढोके सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी-कमर्चारीगण उपस्थित थे। स्वास्थ्य मेले में विभिन्न चिकित्सकों ने विभिन्न बिमारियों के लक्षणए बचाव के उपायए इलाज और शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य मेले में डॉ. प्रमेय रेवडिया, डॉ. संजय सोलंकी, डॉ. संतोष सोलंकी, डॉ. प्रवीण वास्कले सहित अन्य चिकित्सकगण उपस्थित थे। आभार डीआईओ डॉ. एलडी फूंकवाल ने माना। मेले में स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग स्टॉफने सहयोग प्रदान किया।

लाडो अभियान अंतगर्त अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम हेतु कंट्रोल रुम स्थापित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अक्षय तृतीया के अवसर पर 3 मई को एवं इससे पूर्व जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु जिले स्तर एवं विकासखण्ड स्तर पर कन्ट्रोल रुम बनाये गये है। यदि अपने आस-पास कही पर भी बाल विवाह होता हो तो उसकी सूचना तत्काल कन्ट्रोल रुम पर दी जा सकती है। जिले स्तर पर जिला कायर्क्रम अधिकारी शिवकली वरवडे मो. 9406809780, परियोजना अधिकारी अलीराजपुर एवं कट्ठीवाडा शैलेन्द्रसिंह डावर मो. 8085606012, परियोजना अधिकारी उदयगढ श्रीमती राखी बारिया मो. 9425942016, परियोजना अधिकारी जोबट कालूसिंह बघेल मो. 9893292809, परियोजना अधिकारी सोण्डवा संतोष अलावा मो. 9893674597, परियोजना अधिकारी भाबरा श्री मुकेश भूरिया मो. 9399942119 एवं चाईल्ड लाईन हेल्प लाईन नम्बर 1098 या महेन्द्रसिंह सस्तिया मो. 9406681335 रहेगें। लाडो अभियान अन्तगर्त विवाह के समय लडके की उम्र 21 वर्ष एवं लडकी की उम्र 18 वर्ष होना चाहिए। नाबालिक उम्र में शादी करने से उनके शारीरिक, मानसिक आर्थिक इत्यादि सभी रुप में घातक साबित होती है। बाल विवाह कानूनन अपराध है। इसके लिये बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 प्रभावी है। इसके अन्तगर्त बाल विवाह करने वालो को 2 वर्ष तक का कारावास एवं एक लाख का जुमार्ना अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

रोज भरते हैं सकोरों में पानी ताकि प्यासे न रहे पक्षी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्थानीय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीराजपुर में समाजकार्य विभाग द्वारा सकोरे लगाए गए हैं। समाजकार्य विभाग में पदस्थ अतिथि विद्वान अमित गढ़ेवाल ने बताया कि, विद्यार्थि एवं शिक्षक नियमित रूप से सकोरों में पानी भरते हैं ताकि गर्मी में प्यास से व्याकुल पक्षी अपनी प्यास बुझा सकें। इन सकोरों से न केवल पक्षी अपनी प्यास बुझाते हैं बल्कि कीट पतंगे, गिलहरी और गिरगिट भी पानी पीते हैं। विद्याथिर्यो का कहना है कि, जब भी कोई पक्षी या कीट पतंगा सकोरे के पानी से अपनी प्यास बुझाता है तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता। कई बार विद्यार्थी इस मनमोहक दृश्य को अपने कैमरे में कैद कर लेते हैं। समाज कार्य विभाग की अनुपम पहल पर महाविद्यालय की प्रचार्य डॉ. अल्पना बारिया ने हर्ष व्यक्त किया।

वर्ष में एक बार खिलता है यह सुंदर फूल

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रकृति के कई ऐसे रूप होते हैं जिन्हें न तो कोई आम आदमी समझ पाता है और न ही कई बार इसे वैज्ञानिक पकड़ पाते हैं। ऐसे अनेक रूपों में कई पेड़-पौधे तथा वनस्पतियां होती है जो कि अपने प्राकृतिक समय पर ही फलते फूलते हैं, उनका समय तथा मौसम निश्चित रहता है। ऐसी ही एक वनस्पति रूप में लिली नाम भी है। यह छोटी तथा बड़ी लिली होती है। छोटी लिली एकल फूल के रूप में किंतु अनेक अलग-अलग होकर भी झुंड (गुलदस्ता) के रूप में खिलती है तथा वर्ष में कई बार खिलती है। मगर हम जिस फूल को प्रदर्शित कर रहे हैं वह यह बड़ी लिली है जो कि, वर्ष में एक बार अपने तय समय और मौसम में खिलती है। एक पौधे पर दो विपरीत दिशाओं में चटक लाल रंग लिए अपनी ओर आकर्षित करने वाले यह फूल लगभग एक सप्ताह तक पौधे पर रहने के बाद मुरझा कर गिर जाते हैं। हमारे संवाददाता के घरेलू बगीचे के गमले में भी अभी हाल ही में यह दुर्लभ आकर्षक दो जोड़े फूल खिले।

गरीबों के फ्रिज बाजार में आए, भाव आसमान पर होने से उनकी पहुंच से हो रहे दूर

माही की गूंज, आम्बुआ।

महंगाई और महंगाई, आज चारों और सिर्फमहंगाई की चर्चा है। जिसकी मार आम लोगों पर अधिक पड़ रही है। ÷गरीबी में आटा गीला÷ की कहावत इस बार इस महंगाई में चरितार्थ हो रही है। महंगाई की मार मिट्टी के बर्तन पर भी पड़ रही है जिस कारण गरीबों के फ्रीज कहे जाने वाले मटके, सुराही आदि भी अब गरीबों की पहुंच से बाहर होते दिखाई दे रहे हैं।

गर्मी के दिनों में साधन संपन्न लोग फ्रिज आदि का ठंडा पानी पीकर प्यास बुझाते हैं। मगर सही प्यास तो मिट्टी के मटके, सुराही आदि का ठंडा पानी ही बुझाते है। ठंड के दिनों में बनाए गए मिट्टी के बर्तन गर्मी में अधिक ठंडक देते हैं। इनका ठंडा पानी इतना शीतल होता है कि पीते ही प्यास बुझ जाती है। पहले मिट्टी के मटके, मटकिया, सुराही आदि 20 से 30 रुपए में मिल जाया करते थे, वही बर्तन अब 100 से 300 रुपए में बिक रहे हैं। ऐसी स्थिति में गरीब लोग अब मटके भी नहीं खरीद सकते हैं। मजबूरन पुराने मटको को टाट या गिला कपड़ा ढककर पानी को ठंडा कर रहे हैं। इस महंगाई ने मिट्टी के बर्तनों तक को नहीं छोड़ा है।

कुम्हारो का कहना है कि, मिट्टी लाना, बर्तन बनाने हेतु बिजली के ÷चाक÷ चलाना तथा बर्तन पकाने हेतु महंगा ईंधन होने से बर्तन महंगे होना स्वभाविक है जिसका खामियाजा गरीबों को उठाना पड़ रहा है।

अवैध अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के दलोदा थाना पुलिस ने 500 ग्राम अवैध अफीम के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी ट्रक में प्याज के गड्डों के नीचे अफीम छुपा कर ले जा रहे थे। टीआई संजय सिंह परिहार ने बताया, मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाईवे पर ट्रक में अफीम की तस्करी हो रही है। सूचना पर एक्शन लेते हुए पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया।

प्याज के कट्टों के बीच छुपी मिली अफीम

पुलिस ने महू-नीमच फोर लेन हाईवे पर नाकाबंदी की। तलाशी की तो ट्रक में 625 बोरी प्याज के कट्टों के बीच 500 ग्राम अवैध अफीम निकली। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, अवैध अफीम को रतलाम से पंजाब ले कर जा रहे थे। पुलिस उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेजने की मांग करेगी।

रतलाम से पंजाब ले जा रहे थे अफीम

पुलिस ने पंजाब के मूलोवाल संगरूर में रहने वाले 40 साल के लखबीर सिंह मिहा सिंह जाट और उत्तर प्रदेश के आदलाबाद लखीमपुर खीरी में रहने वाले 19 वर्ष के गोपाल पिता राधेश्याम यादव को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि, वह बाजना तहसील के विकास पिता हजारी भील से अफीम लेकर आए थे। अफीम को पंजाब के संगरूर जिले के हैप्पी सिंह को देने जा रहे थे।

राजस्व व आबकारी दल ने अलग अलग स्थानों से अवैध शराब जप्त की

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशन पर जोबट में अवैध शराब के विरुद्ध डीएन सिंह के नेतृत्व में राजस्व एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने जोबट शहर में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 3 स्थानों से लगभग 36 बल्क लीटर अवैध अंग्रेजी मदिरा जप्त की। उक्त कार्रवाई गिरफ्तार किए गए आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत कुल 3 प्रकरण कायम किए गए। बरामद एवं जप्त मदीरा का बाजार मूल्य लगभग 10 हजार रुपए है। उक्त कार्रवाई में तहसीलदार जोबट आलोक वर्मा, नायब तहसीलदार श्रीमती सविता चौहान, आबकारी उपनिरीक्षक संजय कुमार कवारे, तृप्ति आर्य, मुख्य आरक्षक अमानुल्ला खान, होमगार्ड सैनिक सिलास नागेन्द्र आदि का योगदान रहा।

वाह रे कालिये, तूने तो अपने काले मन के साथ सभी मेडिकल संचालकों को एक गुनेहगार की तरह कटघरे में लाकर कर दिया खड़ा

आखिर किस तथ्य के आधार पर पुलिस ने किया सुरेश मुलेवा के विरुद्ध धारा 385 में मामला दर्ज

पेटलावद में स्वास्थ्य एंव ड्रग्स विभाग के अधिकारियो से साठ-गाठ के साथ सारे नियम को ताक में रख बिना डिग्रीधारी एंव नाबालिक युवको को रख कालु उर्फदिपक निमजा उक्त तीन मेडिकलो का कर रहा संचालन।

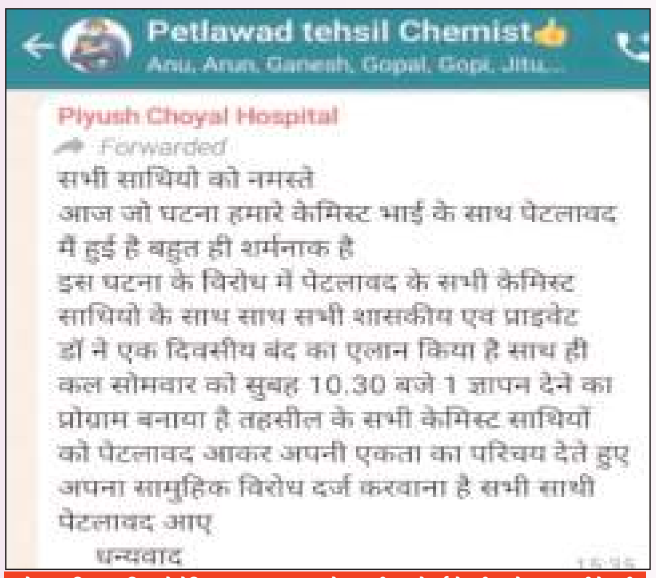

चोयल हासिपटल परिसर में मेडिकल का संचालन करने वाला पीयुष जो पुर्व में मरीज को एक्सपायरी डेट की मेडिसिन दे चुका है ने केमिस्ट सोशल मिडिया ग्रुप पर नगर के सभी मेडिकलो को बंद करने के साथ डाक्टरो द्वारा इलाज नही किया जायेगा के आव्हान के साथ पोस्ट वायरल की।

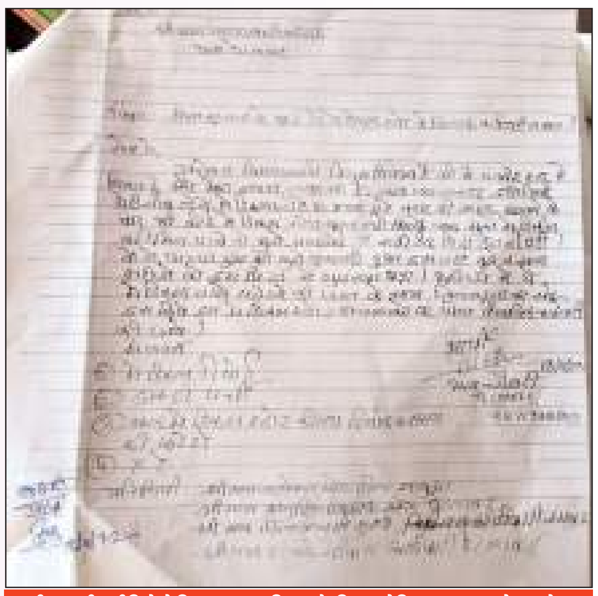

इसी तरह तीन पीडितो ने बिना सुचना व नियम के विरूद्ध मेडिकल बन्द करने पर परेशान होने के बाद मेडिकल संचालको के विरूद्ध पेटलावद थाने में की रिपोर्ट दर्ज

निजी भड़ास को निकालने के लिए मेडिकल एसोसियन का कालू ने सहारा लेकर अपनी बद नियत के साथ प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए एसडीएम के नाम दिया ज्ञापन

अनिवार्य व ईमरजेंसी सेवा में आने वाले मेडिकल बिना शासन-प्रशासन को सुचना दिए बन्द कर, बेबुनियाद पत्रकार पर आरोप के साथ नगर के सभी मेडिकल बन्द किए जाने पर सोशल मीडिया पर इनके लाईसेंस समाप्त करने की मांग के साथ जमकर निन्दा की गई।

माही की गूंज, संजय भटेवरा

पेटलावद। किसी भी व्यक्ति जिसका नाम कुछ भी रखा हो लेकिन हर व्यक्ति अपने कार्य-कलापों के अनुसार उसके नाम को ख्याति प्रदान करता है। यहां हमारा किसी के रखे गए नाम को अपमानित करना नहीं है, परंतु कोई व्यक्ति जो अपने ऐसे कार्य-कलापो के साथ अपने नाम व नाम रखने एवं जन्म देने वाले माता-पिता को भी कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ता, ऐसे काले मन के व्यक्तित्व व उसके नाम का चित्रण करना आवश्यक हो जाता है।

आज हम ऐसे व्यक्ति के नाम व उसके व्यक्तित्व के काल गुजारियों को उजागर कर रहे हैं, जिसने अपने नाम को कलंकित तो किया ही, परंतु जिस माता-पिता ने नाम रखा उनके व्यक्तित्व को भी अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

पेटलावद के निमजा परिवार में अनोखी लाल निमजा के यहां एक पुत्र जन्मा जिसका नाम पिता अनोखीलाल, माता एवं परिवार ने कालू रखा। लेकिन बचपन में ही माता-पिता एवं परिवार को कालू के ÷पुत के पग पालने में÷ शायद दिखाई दिए होंगे कि, यह कालू ऐसा काला मन का है की यह अपने स्वार्थ के लिए कोई भी काला काम करने में पीछे नहीं हटेगा और यह कालिया कहीं अपने नाम के साथ हमारे व्यक्तित्व को भी कलंकित नहीं कर दे की सोच के साथ ही माता-पिता एवं परिवार ने शायद कालू का एक और नाम दीपक इस सोच के साथ रखा होगा कि, यह कालू उर्फ कालिया अपने दीपक नाम के साथ अपने नाम अनुरूप बेसहारा एवं परेशान लोगों की जिंदगी में दीपक की तरह उजाला कर अपने नाम व अपने माता-पिता के नाम को रोशन करेगा। लेकिन शायद नाम बदलने के बाद भी कालू अपने काले मन के साथ ही अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए किसी का भी उपयोग, दबाव एवं पैसो का प्रभाव दिखाकर कर रहा है। वही स्वयं तो अपराधी की श्रेणी में है ही, साथ ही अपने साथी सदस्य को भी अपराध की श्रेणी में लाकर खड़ा करने मैं कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

मामला पेटलावद नगर में एक मेडिकल संचालक मन का काला कालू उर्फ दीपक पिता अनोखीलाल निमजा नाम का एक शातिर जो स्वास्थ्य विभाग एवं ड्रग्स विभाग के जवाबदारो के साथ सांठ-गांठ होकर नियम के विरुद्ध तीन मेडिकल का संचालन कर रहा है। मेडिकल नं. 1 श्री नाकोड़ा मेडिकल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटलावद के बाहर। मेडिकल नं. 2 न्यू नाकोड़ा मेडिकल स्टोर, सिविल हॉस्पिटल के सामने। मेडिकल नं. 3 संजीवनी उर्फ नाकोड़ा मेडिकल, गांधी चौक में संचालित करता है। सूत्रों की माने तो उक्त मेडिकल स्टोर अन्य के नाम से होकर, एक ही व्यक्ति के नाम से एक से अधिक मेडिकल का संचालन कालिया उर्फदीपक कर रहा है।

एक गलत मेडिसिन ले सकती है व्यक्ति की जान फिर भी बिना डिग्रीधारी देते है मेडिकल पर मेडिसिन

कहने को तो बी फर्मेसी कर मेडिकल का लाइसेस मिलने के साथ ही उसका संचालन उसी लाइसेंसी धारक को करना होता है। क्योंकि बी फार्मो के दौरान हर एक मेडिसिन के बारे में जानकारी के साथ ट्रेनिंग दी जाती है कि, किस मरीज को कौन सी मेडिसिन व डॉक्टर की पर्ची पर ही मेडिसिन देना होता है। एक गलत मेडिसिन व्यक्ति की जान ले सकता है का ज्ञान प्राप्त कर उक्त डिग्री प्राप्त होती है। लेकिन उक्त मेडिकल संचालक नगर में अपने पैसों के बल पर अपने पावर व प्रभाव बताकर अपने इन तीन मेडिकलो पर अलग-अलग बिना डिग्रीधारी को अपने स्तर पर मालूमी स्पेलिंग का ज्ञान देकर मेडिकल पर कर्मचारी रख मरीजों को मेडिसिन दी जा रही है।

दिन भर कालिया उर्फदीपक निमजा तीनों मेडिकल पर दवाईया खत्म होने पर पूर्ति करने पर व्यस्त रहता है। साथ ही नगर में अधिकांश शासकीय-अशासकीय व झोलाछाप डॉक्टरों के यहां अपने नाकोड़ा मेडिकलो के नाम की प्रिंटेड लेटर पेढ़ उपलब्ध करवाने के साथ उक्त डॉक्टरों को लिखित मेडिसिन के अनुसार नियमित कमीशन देने की बात कर अपना एकाधिकार के साथ सारे नियमों को ताक में रख मेडिकल का संचालन कर रहा है। यहां तक कहा जाता है कि, कई बार मेडिकल पर पदस्थ बिना डिग्रीधारी कर्मचारी मरीजों को पर्ची में लिखी मेडिसिन के बदले अन्य मेडिसिन तो कई बार एक्सपायरी डेट की मेडिसिन दे दिया करते हैं।

अपने प्रभाव का ढिंढोरा पीटने वाले कालिये का प्रभाव धूमिल होते देख लिया मेडिकल एशोसियन का सहारा

कालिया उर्फ कालू उर्फ दीपक अपने प्रभाव को प्रभावीत होते देख इस कदर बौखलाया कि, उसका बस चले तो अपने स्वार्थ लाभ के लिए किसी का मर्डर भी कर दे।

नगर में अपने प्रभाव का अक्सर ढिंढोरा इस तरह से कालू उर्फकालिया पीटते हुए कहता था कि, पेटलावद नगर में मेडिकल लाइन में मेरा एकाधिकार होकर सभी डॉक्टरों के साथ सेटिंग कर अपने हिसाब से मेडिसिन बेचता हूं। मेरा स्वास्थ्य विभाग व ड्रग्स विभाग के अधिकारी भी कुछ नहीं बिगाड़ सकते, क्योंकि मैं उनको प्रति माह नियमित लिफाफे भिजवाता हूं। और मेरे साथ जो कोई करता है उसको मैं हर हद तक सबक सिखाने में भी पीछे नहीं हटता हुं कि गौरवक्ति नगर के एक उभरते पत्रकार सुरेश मुलेवा के समक्ष भी कह डाली। जिस पर सुरेश मुलेवा को निमजा द्वारा कहीं जाने वाली उक्त बातें सही नहीं लगी। सुरेश मुलेवा ने जब पत्रकारिता के नजरिये से देख निमजा के कारनामे तथा प्रभाव का खुलासा करने हेतु सीधा उससे मेडिकल पर पहुंचा और देखा वास्तविक रुप से निमजा द्वारा कहीं बात सही साबित होकर, मेडिकल पर मरीज एवं उसके परिजन मेडिकल पर दवाई लेने हेतु आ रहे हैं। जिसमें जो-जो डॉक्टर की पर्ची लेकर आ रहे हैं उन पर नाकोड़ा मेडिकल का प्रिंटेड नाम वाली पर्ची है। वही बिना डॉक्टर की पर्ची के भी बिना डिग्रीधारी पदस्थ कर्मचारी राहुल मेडिसिन नियम के विरुद्ध दे रहा है जिसे मेडिसिन का ज्ञान ही नहीं है। वही पत्रकार डॉक्टर बघेल के चेम्बर में पहुंचा तो, वहां भी जो-जो भी मरीज आ रहे थे उन सभी को उसी कालू निमजा के नाकोड़ा मेडिकल की प्रिंटेड छपे लेटर पेढ पर्ची पर मेडिसिन लिखकर दी जा रही थी। उक्त बात का खुलासा पत्रकार ने किया भी पर उभरता पत्रकार व कालू के बीच पुराने किसी मतभेद के बाद उक्त मामला तूल पकड़ने के साथ कालू का प्रभाव कम होता देख बौखलाहट की मुद्रा में आ गया।

बौखलाए कालू ने मेडिकल एशोसियन का दुरुपयोग कर प्रशासन पर बनाया दबाव, सभी मेडिकल किये थे बंद

अपने पैसों के प्रभाव के साथ कालू हर निचले स्तर तक जा सकता है यह स्वयं ने सिद्ध भी कर दिया। अपने प्रभाव को नगर व क्षेत्र में प्रभावित होता देख एक षड्यंत्रकारी व्यूहरचना रच अपने काले मन के साथ अपने प्रभाव को स्थापित रखने के लिए अन्य मेडिकल संचालकों को गुमराह कर मेडिकल क्षेत्र में इनके काले कारनामों को आगे से कोई और भी पत्रकार उजागर नहीं कर सके की नियत के साथ सभी मेडिकल संचालकों को अपने झांसे मे लें लिया। दबाव पूर्ण राजनीति के साथ प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए रविवार शाम से सोमवार तक सभी ने मेडिकल बंद कर दिये गए। वही खुले रूप से पुलिस को जितना भी देना पड़े देंगे कि, गौरवक्ति कालू ने स्वयं ने अपने विश्वसनीय व्यक्तियो को कह कर रविवार शाम पेटलावद थाने पहुंचे और अपने असल कारनामे को छुपाते हुए मामले को पत्रकार के विरूद्ध पाले में डाल अवैध वसूली के संबंध में झूठी रिपोर्ट डाल सुरेश मुलेवा के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया। चुकी हमारे झाबुआ जिले की यह पुलिस चाहे तो बिना तथ्य के आधार पर ही किसी के विरुद्ध भी कोई भी मामला दर्ज कर ले और नहीं चाहे तो पूरे तथ्यों के बाद भी पुलिस मामला दर्ज नहीं करें कि, गौरवक्ति के साथ बिना किसी तथ्यों के आधार पर ही पेटलावद पुलिस ने धारा 385 में सुरेश मुलेवा के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया।

बिना तथ्यो के आधार पर अवैध वसुली का मामला किस आधार पर दर्ज किया के साथ पेटलावद के पत्रकारो ने थाने में जाकर किया अपना विरोध दर्ज, पुलिस के पास नही था कोई जवाब

पत्रकार भी हुए लामबंद्ध

पूरे मामले में नगर की जनता व मीडिया कर्मी भी यह भली-भांति जान रहे थे कि, यह पुराने किस मतभेद के साथ मामला चल रहा है और आपसी समझाईश के साथ खत्म हो जाएगा। परंतु कालू ने अपने काले मन के साथ मेडिकल एशोसियन के नाम पर सभी मेडिकल संचालकों को गुमराह किया और नियम विरुद्ध जाकर पेटलावद तहसील केमिस्ट व्हाट्सप ग्रुप पर चोयल हॉस्पिटल में मेडिकल का संचालन करने वाला पीयुष ने एक पोस्ट की, केमिस्ट भाई के साथ शर्मनाक घटना बताकर विरोध स्वरूप सभी केमिस्ट के साथ शासकीय, प्राइवेट सभी डॉक्टर ने एक दिवसीय बंद रखने का आह्वान कर ज्ञापन देने की बात कही।

बता दे, उक्त पीयूष चोयल हॉस्पिटल परिसर में मेडिकल का संचालन करता है। उक्त मेडिकल से एक्सपायरी डेट का इंजेक्शन देने के साथ चोयल हॉस्पिटल की ही एक सिस्टर ने बिना एक्सपायरी डेट देखे इंजेक्शन मरीज को लगा दिया था का मामला हमारे सामने आ चुका है। पीयूष की पोस्ट के साथ मेडिकल बंद कर प्रशासन पर गलत तरीके से दबाव बनाने के साथ समस्त पत्रकारों के विरुद्ध मोर्चो खोलने का प्रयास कर कालू ने षड्यंत्र रचा। इसके बाद सभी पत्रकार लामबंद्ध होकर सोमवार को थाने पहुंचे और पुलिस ने किस तथ्य के आधार पर अवैध वसूली के संबंध में सुरेश मुलेवा के विरुद्ध मामला दर्ज किया, पूछने पर पुलिस जवाब नहीं दे पाई। वही सुरेश मुलेवा की रिपोर्ट पर कालू उर्फदीपक निमजा के विरुद्ध भी मामला दर्ज किया गया।

मेडिकल बंद करने पर की निंदा, 3 पीडितो ने थाने में दर्ज की रिर्पोट

पूरे मामले में नियम के विरुद्ध मेडिकलो को बंद किया गया, जिसकी निंदा सोशल मीडिया पर की गई। वही 3 पीड़ित मरीज परिवार ने मेडिकल बंद होने से जो परेशानी हुई उस संबंध में पुलिस थाना पेटलावद में मेडिकल संचालकों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वही कालू निमजा अपने अधीनस्तो को कह रहा है, अभी पुलिस को जो पैकेज देना था वह दे दिया है, आगे भी जो होगा वो मैं दूंगा पर हमारे मेडिकल पर कोई आंच नहीं आने दूंगा। तथा नगर के अन्य मेडिकल संचालक जिन्हें गुमराह कर आम जनता के सामने गुनेहगार के कटघेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। मामले में नगर की जनता यही कह रही है कि, कालू उर्फ कालिया ने अपने काले मन के साथ किये उक्त कारनामे के साथ जो कृत्य किया है उससे उसके माता-पिता भी शर्मसार हुए होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422